हमारी उड़ान आपके लिए

पवन हंस लिमिटेड

हंसध्वनि

हिंदी दिवस विशेषांक

14.09.2024 से 29.09.2024

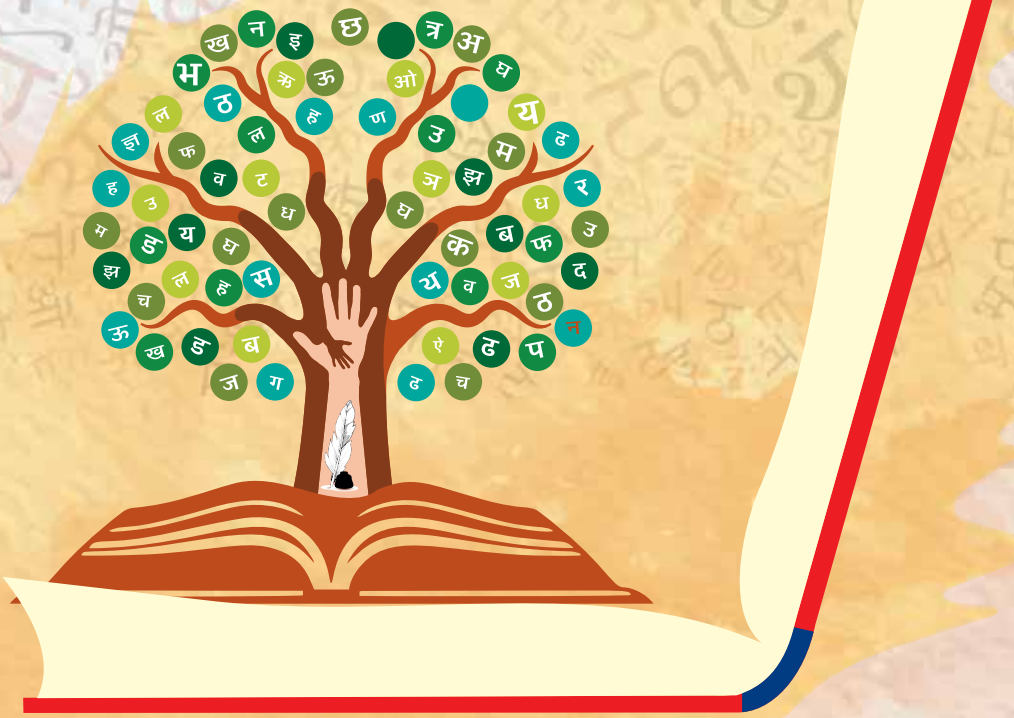

जय हिंदी जय भारत जय पवन हंस

अनुक्रमणिका

संरक्षक

श्री संजीव राजदान
अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक

संपादक

श्रीमती रीना गुप्ता
विभागाध्यक्ष
(प्रशासन एवं राजभाषा)

उप संपादक

श्री गणेश बर्मन
अनुभाग अधिकारी (राजभाषा)

सह-संपादक

श्रीमती रेखा रानी
हिंदी अनुवादक (राजभाषा)

- नागर विमानन मंत्रालय, राज्य मंत्री जी का संदेश
- मंत्रीमंडल सचिव, भारत सरकार का संदेश
- सचिव, नागर विमानन मंत्रालय का संदेश
- वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार, नागर विमानन मंत्रालय का संदेश
- निदेशक (राजभाषा), नागर विमानन मंत्रालय का संदेश
- अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश
- सहायक निदेशक (राजभाषा), नागर विमानन मंत्रालय का संदेश
- संपादक एवं प्रशाशन एवं राजभाषा प्रमुख की कलम से...
- भारत में हेली-तीर्थयात्रा हेतु अग्रगामी पवन हंस लिमिटेड - सीपीएमएस विभाग
- पवन हंस लिमिटेड, आपदा-प्रबंधन में बल-संवर्धक (फोर्स मल्टीप्लायर) संस्थान - सीपीएमएस विभाग
- नागर विमानन सेक्टर की सेवा में पवन हंस की भूमिका - सीपीएमएस विभाग
- नागर विमानन मंत्रालय (एमओसीए) ने भारत में हेलीकॉप्टर आपातकालीन - सीपीएमएस विभाग
- चिकित्सा सेवा (एचईएमएस) की क्रांतिकारी शुरुआत की - सीपीएमएस विभाग

कविता कोश

  - मुझे मेरे हिस्से में मेरी मां चाहिए- भारती करण, एसोसिएट (आंतरिक लेखा परीक्षा)
  - कलाई पर धागा- सुधा कोहली, महाप्रबंधक (उक्षे) का कार्यालय
  - हिन्दी दिवस - अन्नया कमल, सुपुत्री अजय कमल
  - हिन्दी दिवस - पर कविता अराध्या कमल, सुपुत्री अजय कमल

- क्षेत्रीय संपर्क - मार्केटिंग एवं बीडी विभाग
- जंगल की सैर- संजय रामचन्द्र कदम, पश्चिम क्षेत्र
- पवन हंस से सेवानिवृत्ति के बाद का जीवन - सैयद शकील अहमद, सहायक प्रबंधक (इंजीनियरिंग) [सेवानिवृत्त], उत्तरी क्षेत्र,
- आसमान से समुद्र तक - सीप्लेन का सफर- सैयद अब्बास शकील, प्रशिक्षु,
- मनुष्य को रोजाना मिट्टी के संपर्क में आने से शारीरीक - मानसिक लाभ- अफ़रोज डालवी, पश्चिम क्षेत्र
- साइबर हाइजीन और सुरक्षा के लिए एक सामान्य उपयोगकर्ता के लिए
- मार्गदर्शन- जयश्री नायर, संयुक्त महाप्रबंधक (आईएस)
- ड्रोन और पवनहंस: एक नया अध्याय- आलिया हैदर, स्टेशन मैनेजर
- पवन हंस के इवेंट, कार्यकलाप और उपलब्धियां - आईएस विभाग
- भारतीय विमानन क्षेत्र का भविष्य और कैरियर - शशिकांत प्रजापति उप प्रशिक्षण प्रबंधक पीएचटीआई, मुंबई

मुरलीधर मोहोळ
MURLIDHAR MOHOL

सत्यमेव जयते

राज्य मंत्री
नागर विमानन एवं सहकारिता
भारत सरकार
Minister of State for
Civil Aviation and Cooperation
Government of India

संदेश

हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की शिरोमणी और सबसे बड़ी सम्पर्क भाषा है। भारत की राजभाषा के रूप में इसकी गरिमा और महत्व सर्वोच्च है।

भारत के नागरिक के रूप में हमारा शासकीय दायित्व है कि हम अपनी राजभाषा का सम्मान करते हुए इसका अधिकाधिक प्रयोग, प्रचार एवं प्रसार कर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करें।

इससे न केवल अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारे देश की राजभाषा को सम्मानजनक दर्जा प्राप्त होगा बल्कि देश के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

हिंदी, संघ की राजभाषा होने के कारण, हम सभी का यह संवैधानिक दायित्व है कि हम राजभाषा संबंधी सरकारी अनुदेशों का उसी दृढ़ता से पालन करें जैसा कि अन्य सरकारी अनुदेशों का पालन करते हैं।

अतः हिंदी दिवस, 2024 के पावन अवसर पर हमारा यह संकल्प हो कि हम अपने शासकीय कार्य में राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें और अपने इस शासकीय दायित्व का पूर्ण समर्पण भाव से निर्वहन करें।

हिंदी दिवस 2024 की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ ।

मुरलीधर मोहोळ
केन्द्रीय सहकारिता राज्यमंत्री
भारत सरकार
नई दिल्ली – 110003

Ministry of Civil Aviation, Room No.-360, B-Block, Rajiv Gandhi Bhawan, Safdarjung Airport, New Delhi-110003
Office Tel. : +91-11-24627231, 24626001; E-mail : mos.moca@gov.in, Web : www.civilaviation.gov.in
Ministry of Cooperation : 8th Floor, Atal Akshay, Urja Bhawan, Lodhi Road, New Delhi-110003

डॉ. टी.वी. सोमनाथन
Dr. T.V. Somanathan

सत्यमेव जयते

मंत्रिमंडल सचिव
भारत सरकार
CABINET SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भाषा किसी भी देश की पहचान होती है। यह न केवल वहां के लोगों को एकजुट करती है, बल्कि उन्हें उनकी संस्कृति और इतिहास का भी परिचय देती है। भारत जैसे बहुभाषी देश में हिंदी ही एक ऐसी भाषा है जो देश के अधिकांश हिस्सों में बोली और समझी जाती है। हिंदी की इसी विशेषता को ध्यान में रखते हुए 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया था और तभी से प्रत्येक वर्ष यह दिन "हिंदी दिवस" के रूप में मनाया जाता है।

हिंदी भारत की राजभाषा होने के साथ-साथ, देश की एकता और अखंडता का प्रतीक भी है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से हिंदी भाषा शिक्षा, व्यवसाय, प्रशासन और साहित्य के क्षेत्र में व्यापक रूप से प्रयोग की जा रही है। हिंदी ने भारत को वैश्विक मंच पर पहचान दी है और हिंदी भाषा के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत दुनिया भर में प्रचारित और प्रसारित हो रही है।

हिंदी के महत्व को समझते हुए इसे बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के समस्त कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों को अपना अधिक से अधिक सरकारी कार्य हिंदी में करना चाहिए और भारत की राजभाषा हिन्दी को विकास के मार्ग पर आगे ले जाना चाहिए।

आइए, हिंदी दिवस के इस अवसर पर हम सब मिलकर राजभाषा हिंदी को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाने में अपना योगदान दें।

जय हिंद।

सोमनाथन
(टी.वी. सोमनाथन)

14 सितम्बर, 2024

Cabinet Secretariat, Rashtrapati Bhavan, New Delhi-110004
Tel.: 011-23016696, 23011241 Fax : 011-23018638 E-mail : cabinetsy@nic.in

वुमलुनमांग वुअलनाम, भा.प्र.से.

सचिव
नागर विमानन मंत्रालय
भारत सरकार

अपील

भाषा विचारों एवं भावों को व्यक्त करने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। राष्ट्रीय स्तर पर भी भाषा उस राष्ट्र की अस्मिता, पहचान एवं एक महत्वपूर्ण अंग है। यही कारण है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत की संविधान सभा ने राजभाषा के रूप में देश में ऐसी भाषा का चयन किया जो सबसे अधिक बोली और समझी जाती हो, और यह दर्जा हिंदी को दिया गया।

वैश्वीकरण एवं प्रौद्यौगिकी के इस युग में हिंदी की मांग दिन पर दिन बढ़ रही है। अतः राजभाषा के इस सम्मानजनक और शासकीय स्तर को बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि हम अपना काम हिंदी में करें। हिंदी दिवस हमें हर वर्ष यह स्मरण कराता है कि हम अपनी राजभाषा का अधिकाधिक प्रयोग करें। अन्य भाषाओं का ज्ञान विकास की दिशा में निश्चय ही सहयोगी होता है परंतु जहां राष्ट्रीय गौरव अथवा अस्मिता का प्रश्न हो वहां हमें यह सम्मान अपनी राजभाषा को ही देना होगा।

इस वर्ष नागर विमानन मंत्रालय को राजभाषा विभाग द्वारा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह मंत्रालय के लिए बहुत ही गर्व का विषय है अतः हिंदी दिवस, 2024 के इस शुभ अवसर पर मेरी सभी पदाधिकारियों से अपील है कि आप अपना अधिकाधिक कार्य हिंदी में करें। इसके प्रति पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं कर्तव्यपरायणता का भाव रखें ताकि राजभाषा नीति संबंधी लक्ष्यों को पूरा करने के साथ-साथ हिंदी जन संपर्क का एक सर्वोत्कृष्ट माध्यम भी सिद्ध हो सके।

'हिंदी-दिवस, 2024' की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ ।

वुमलुनमांग

(वुमलुनमांग वुअलनाम)

पीयूष श्रीवास्तव, भा.आ.से.
PIYUSH SRIVASTAVA, IES

सत्यमेव जयते

वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार
नागर विमानन् मंत्रालय
भारत सरकार
SENIOR ECONOMIC ADVISER
MINISTRY OF CIVIL AVIATION
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

मुझे यह बताते हुए अत्यंत गर्व और हर्ष हो रहा है कि आप सभी के अमूल्य सहयोग से वर्ष 2023-24 के लिए नागर विमानन मंत्रालय को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार के लिए द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है । इस उपलब्धि पर आप सभी लोगों को हार्दिक बधाई ।

पवन हंस लिमिटेड द्वारा गृह पत्रिका 'हंसध्वनि' को हिंदी दिवस विशेषांक के रूप में प्रकाशित किए जाने पर, पवन हंस लिमिटेड के समस्त कार्मिकों को उनके सराहनीय प्रयास के लिए साधुवाद।

हिंदी हमारी राजभाषा है और हम सभी को हिंदी में कार्य करते हुए गर्व महसूस होता है। यह हम सभी का संवैधानिक दायित्व भी है कि हम राजभाषा से संबंधित सरकारी निदेशों और अनुदेशों का उसी दृढ़तापूर्वक पालन करें, जिस प्रकार हम अन्य सरकारी निदेशों और अनुदेशों का करते हैं ।

मुझे विश्वास है कि पवन हंस लिमिटेड की पत्रिका 'हंसध्वनि' का यह प्रकाशन प्रेरणास्रोत होगा, पवन हंस के सभी कार्मिकों को अधिकाधिक कार्य हिंदी में करने के लिए प्रेरित करेगा तथा राजभाषा हिंदी को उच्चतम स्तर तक पहुंचाने में सहायक होगा।

शुभकामनाओं सहित

पीयूष श्रीवास्तव

(पीयूष श्रीवास्तव)

Rajiv Gandhi Bhavan, Safdarjung Airport, New Delhi-110 003
Telefax : +91-11-24629322, E-mail : sradv-moca@gov.in

ले.कर्नल एम.के सिंह
निदेशक (रा.भा.)

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
नागर विमानन् मंत्रालय
नई दिल्ली - 110 003
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CIVIL AVIATION
RAJIV GANDHI BHAWAN, SAFDARJUNG AIRPOR
NEW DELHI - 110 003

संदेश

मुझे अत्यधिक प्रसन्नता है कि पवन हंस लिमिटेड द्वारा गृह पत्रिका 'हंसध्वनि' को हिंदी दिवस के विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया गया है । राजभाषा हिंदी के प्रयोग व प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में गृह पत्रिकाओं की अहम भूमिका रही है ।

मानव को श्रेष्ठतम जीव माना गया है और इसलिए हमारा कर्म भी श्रेष्ठ होना चाहिए । कला और संस्कृति से जुड़े रहकर हम सृजनात्मक कार्य करते रहेंगे तो अवश्य ही हम पाएंगे कि हमारा स्वयं का जीवन, हमेशा एक सर्वांगीण प्रगति की दिशा में अग्रसर हो रहा है, जिसके लिए हिंदी भाषा ने एक सूत्र के रूप में सभी भारतीयों को जोड़ने का काम किया है । पवन हंस लिमिटेड के समस्त कार्मिकों को, मैं उनके द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के संबंध में किए जा रहे प्रयास के लिए हार्दिक बधाई देता हूं और साथ ही भविष्य में भी इस प्रयास को और अधिक गति देने हेतु अनुरोध करता हूं ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

(ले.कर्नल एम.के.सिंह)

संजीव राजदान
Sanjeev Razdan
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक
Chairman & Managing Director

पवन हंस लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम - मिनी रत्न उपक्रम)
PAWAN HANS LIMITED
(A Government of India Enterprise - A Minni Ratna PSE)

संदेश

हिंदी दिवस एवं पखवाड़ा के अवसर पर आप सबको हार्दिक बधाई,

भाषा ही प्रत्येक राष्ट्र की सामाजिक और सांस्कृतिक धरोहर की संवाहिका है । राजभाषा हिंदी का मूल स्वर राष्ट्रीयता,भारतीयता और एकता है । हिंदी एक समृद्ध भाषा है और इसका प्रचार और प्रसार करना, हम सबका उत्तरदायित्व है ।

बहु भाषाओं और भिन्न भिन्न संस्कृतियों का देश है हमारा भारत । अलग-अलग प्रदेश,भाषा,बोली,वेश-भुषा,खानपान,रहन सहन,यहां तक की मौसम भी, फिर भी एक सूत्र में बंधे हैं हम और यह कार्य हमारी राष्ट्रभाषा द्वारा ही संभव हुआ है । संपर्क भाषा के रूप में प्रचलित हिंदी भाषा का महत्व प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है । देश के एक सच्चे नागरिक बन कर हिंदी में काम करना हमारी नैतिक ही नहीं अपितु सांविधानिक कर्तव्य और दायित्व भी है ।

कार्यालय में राजभाषा हिंदी की कार्यान्वयन के लिए किए जा रहे अथक प्रयासों के लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं । राजभाषा विभाग,गृह मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु हमें इस दिशा में और अधिक प्रयास करना है तथा यह उत्तरदायित्व हम सबका है ।

मुझे अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 14.09.2024 से 28.09.2024 तक हिंदी दिवस और पखवाड़ा मनाया जा रहा है । हर बार की तरह मैं इस बार भी आपसे यही अपील करना चाहुंगा कि हिंदी दिवस और पखवाड़ा को सफल बनाने के लिए आप सभी इस दौरान आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लें और राजभाषा हिंदी की गरिमा बढ़ाएं । सभी सरकारी कार्य केवल हिंदी में करके एक नया कीर्तिमान स्थपित करें । हिंदी दिवस और पखवाड़ा के उपलक्ष में हम हिंदी में सर्वाधिक कार्य करके इसके संवर्धन और विकास में अपना सक्रिय योगदान दें और राष्ट्र का गौरव बढ़ाएं।

जय हिंद, जय हिंदी ।

संजीव राजदान
(संजीव राजदान) 13/09/24.
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

प्रधान कार्यालय : पवन हंस टॉवर, सी-14, सेक्टर-1, नौएडा - 201301 दूरभाष : 0120-2476701
Corporate Office : Pawan Hans Tower, C-14, Sector-1, Noida - 201301 (U.P.) Tel.: 0120-2476701
पंजीकृत कार्यालय : रोहिणी हेलीपोर्ट, सेक्टर-36, रोहिणी, नई दिल्ली - 110 085
Registered Office : Rohini Heliport, Sector-36, Rohini, New Delhi-110 085
ई-मेल / Email : cmd@pawanhans.co.in वेबसाईट / Website : www.pawanhans.co.in

योगेश गोविल
सहायक निदेशक

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
नागर विमानन् मंत्रालय
नई दिल्ली - 110 003
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CIVIL AVIATION
RAJIV GANDHI BHAWAN, SAFDARJUNG AIRPORT,
NEW DELHI - 110 003

संदेश

हिंदी दिवस, 2024 और हिंदी पखवाड़े के शुभ अवसर पर पवन हंस लिमिटेड द्वारा 'हंसध्वनि' का हिंदी दिवस विशेषांक प्रकाशित किया जाना सराहनीय है। सर्वविदित है कि हिंदी हर प्रकार से एक समृद्ध भाषा है और अपने दैनिक सराकारी कामकाज में न केवल इसका प्रयोग करना बल्कि इसका प्रचार-प्रसार करना भी हम सबका कर्तव्य है ।

गृह पत्रिका का प्रकाशन किसी भी कार्यालय के कार्मिकों के लिए हिंदी लेखन और पठन-पाठन में अपनी अभिरूचि और प्रतिभा की अभिव्यक्ति हेतु महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। निःसंदेह 'हंसध्वनि' के हिंदी दिवस विशेषांक के प्रकाशन से अनेक प्रकट-अप्रकट प्रतिभाओं को सामने आने का अवसर प्राप्त हुआ है। जिन प्रतिभावान कार्मिकों ने समय निकाल कर पत्रिका के लिए अपना रचनाधर्म निभाया है, उनका हार्दिक अभिनन्दन और पत्रिका के प्रकाशन के लिए पवन हंस लिमिटेड को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

(योगेश गोविल)

श्रीमती रीना गुप्ता
विभागाध्यक्ष (प्रशासन एवं राजभाषा)

संदेश

पवन हंस की गृहपत्रिका 'हंसध्वनि', राजभाषा विशेषांक का नवीन अंक आप सभी के समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है। हमारे कर्मठ कार्मिकों द्वारा बहुत ही प्रभापी रूप में लिखी गई कविताएं,यात्रा संबंधी लेख और विमानन क्षेत्र से संबंधित लेख आदि राजभाषा हिंदी की प्रगति की दिशा में प्रेरक और सफल प्रयास है। मुझे पुर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आप सभी आपका बहुमूल्य सहयोग प्रदान करते रहेंगे और हमारे गृहपत्रिका को अपने रचनाओं के माध्यम से समृद्ध करते रहेंगे।

इस अंक में प्रकाशित कविता,यात्रा संबंधी विवरण और सीप्लेन,ड्रोन,साइबर हाइजीन और सुरक्षा, विमानन क्षेत्र से संबंधित जानकारी तथा पवन हंस द्वारा किया जा रहा महत्वपूर्ण कार्य आदि विषय के रोचक और ज्ञानवर्धक रचनाएं सम्मिलित हैं, जिसे आप अवश्य पढ़े।

आपके द्वारा प्रस्तुत रचनाएं हमारे गृहपत्रिका की गरिमा को हमेशा से ही बढ़ाता रहा है। मैं आशा करती हूं कि आगे भी गृहपत्रिका के भावी अंकों के लिए अपनी रचनाओं को प्रकाशन के लिए भेजते रहेंगे और इसे और उत्कृष्ट बनाने में सहयोग प्रदान करेंगे। आपके बहुमूल्य सुझावों की अपेक्षा रहेगी।

शुभकामनाओं सहित।

श्रीमती रीना गुप्ता
विभागाध्यक्ष (प्रशासन एवं राजभाषा)

भारत में हेली-तीर्थयात्रा हेतु अग्रगामी पवन हंस लिमिटेड

भारत की अग्रणी हेलीकॉप्टर कंपनी पवन हंस, 2019 में भारत सरकार द्वारा क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (आरसीएस) की शुरुआत के बाद से देश में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने में सबसे आगे रही है। पूरे देश में कनेक्टिविटी मार्ग और "अंतिम मील कनेक्टिविटी" की अवधारणा को और मजबूत करने के लिए समर्पित है।

भारत में हेली-तीर्थयात्रा हेतु अग्रगामी पवन हंस लिमिटेड

भारत का विविध परिदृश्य पावन तीर्थ स्थलों से भरा पड़ा है, जो लाखों भक्तों के लिए अत्यधिक आध्यात्मिक महत्व रखते हैं। हालाँकि, कुछ स्थलों तक पहुँचना उनके दूरस्थ और दुर्गम स्थानों के कारण अक्सर एक चुनौती उत्पन्न करता है। परिवहन के अधिक कुशल और प्रभावी तरीके की आवश्यकता को पहचानते हुए, पवन हंस लिमिटेड ने भारत में हेली-तीर्थयात्रा अवधारणा की शुरुआत की है, जिससे तीर्थयात्रियों के कई "दूरस्थ और दुर्गम" पवित्र स्थलों की यात्रा करने के तरीके में बदलाव आया है। पवन हंस को श्री माता वैष्णो देवी, श्री अमरनाथ जी, श्री मचैल माताजी और श्री केदारनाथजी जैसे धार्मिक मंदिरों में हेलीकॉप्टर सेवाएं विकसित करने के अग्रणी प्रयासों के लिए जाना जाता है।

पवन हंस ने तीर्थयात्रियों के लिए विमानन सेवाओं में एक महत्वपूर्ण नवाचार स्थापित किया है, जो तीर्थयात्रियों और भक्तों की आवश्यकताओं के अनुरूप विश्वसनीय और किफायती हेली-सेवाएं प्रदान करता है।

पवन हंस लिमिटेड ने भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों को देश के हवाई मानचित्र पर सफलतापूर्वक एकीकृत किया है। पवन हंस वर्तमान में श्री केदारनाथजी, श्री बद्रीनाथजी और श्री हेमकुंड साहेब में हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रदान कर रहा है। इसके अतिरिक्त, पवन हंस लिमिटेड ने तीर्थ स्थलों, विशेषकर देश के दूर-दराज के क्षेत्रों में रोजगार सृजन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पवन हंस ने दिव्यांगों, शारीरिक रूप से अक्षम और बुजुर्ग तीर्थयात्रियों के पसंदीदा तीर्थ स्थलों की यात्रा के सपनों को साकार करने और पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पवन हंस द्वारा प्रमुख स्थलों पर दी जा रही हैं सेवाएं

श्री केदारनाथ जी, उत्तराखंड:

गढ़वाल हिमालय श्रृंखला में स्थित, केदारनाथ मंदिर चार धाम यात्रा का हिस्सा है और अत्यधिक धार्मिक महत्व रखता है। पवन हंस फाटा से मंदिर तक आसान पहुंच की सुविधा के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं परिचालित करता है।

श्री हेमकुंड साहेब, उत्तराखंड:

गुरु गोबिंद सिंह जी को समर्पित एक प्रतिष्ठित सिख तीर्थ स्थल, हेमकुंड साहेब प्राकृतिक सुंदरता के बीच आध्यात्मिक शांति प्रदान करता है। पवन हंस की हेलीकॉप्टर सेवाएं आसान पहुंच प्रदान करती हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि भक्त अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

पवन हंस लिमिटेड डीआईयू से सोमनाथ जी के बीच सेवाएं प्रदान करता है, जो गुजरात के पश्चिमी तट पर स्थित 12 ज्योतिर्लिंग मंदिर में से एक है।

आरसीएस उड़ान मार्गों के माध्यम से भक्तों के लिए अप्रत्यक्ष कनेक्टिविटी

तीर्थ स्थलों तक सीधी कनेक्टिविटी के अलावा, पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल) सरकार की प्रमुख आरसीएस उड़ान योजना शुरू करने वाला भारत का पहला हेलीकॉप्टर ऑपरेटर है, जिसका उद्देश्य असेवित क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार करके क्षेत्रीय विकास को बढ़ाना है।

यदि भक्तगण आरसीएस उड़ान मार्गों के तहत पीएचएल सेवाओं का उपयोग करना चाहता है तो यह धार्मिक स्थलों के लिए अप्रत्यक्ष कनेक्टिविटी को बढ़ावा देता है। आरसीएस उड़ान पहल के तहत, पवन हंस 36 मार्गों के माध्यम से हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और असम जैसे राज्यों में सक्रिय रूप से परचिालन कार्य कर रहा है। आरसीएस परिचालन के पिछले चार वर्षों में, पवन हंस ने अपने आरसीएस नेटवर्क पर 10,000 से अधिक उड़ानें सफलतापूर्वक परिचालित की हैं, जिससे दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान मिला है।

पवन हंस लिमिटेड को 8 राज्यों में 128 मार्गों को कवर करते हुए कुल 42 नेटवर्क भी प्रदान किए गए हैं। कंपनी को 42 अल्पसेवित और असेवित क्षेत्रों को जोड़ने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय (MoCA) से "उड़ान का चैंपियन" प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।

यह महत्वाकांक्षी प्रयास विशेष रूप से सीमित पहुंच वाले क्षेत्रों में कुशल और विश्वसनीय हवाई परिवहन सेवाएं प्रदान करके भारत के लोगों की सेवा करने की पवन हंस की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आरसीएस उड़ान पहल के तहत, पवन हंस 36 मार्गों के माध्यम से हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और असम जैसे राज्यों में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। आरसीएस परिचालन के पिछले चार वर्षों में, पवन हंस ने अपने आरसीएस नेटवर्क पर 10,000 से अधिक उड़ानें सफलतापूर्वक संचालित की हैं, जिससे दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान मिला है।

पवन हंस लिमिटेड, आपदा-प्रबंधन में बल-संवर्धक (फोर्स मल्टीप्लायर) संस्थान

1985 में पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल) की स्थापना के बाद से, पवन हंस लिमिटेड ने प्राकृतिक आपदाओं और विनाशकारी स्थितियों के दौरान आपदा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पवन हंस लिमिटेड ने भारत में हेलीकॉप्टर प्रचालनों में विशिष्ट क्षमताएं और बहुमुखी प्रतिभा विकसित की है। पीएचएल ने भारत में हेलिकॉप्टर संचालन के कार्य में विशिष्ट क्षमताओं और बहु आयामी गुणवत्ता की वजह से आपदा-प्रबंधन के कार्य से संबद्ध में किसी भी आवश्यकता को पूरा करने की दिशा में प्रमुख नागरिक-उड्डयन संगठन बन गया है। चाहे वह पूर्वोत्तर के निचले इलाकों में आई बाढ़ हो, उत्तर भारत में भूस्खलन या बादल फटने की घटना हो, बॉम्बे हाई में अग्निशमन का कार्य हो या अंडमान और लक्षद्वीप में तूफान की स्थिति, देश के नागरिकों को राहत पहुँचाने में पीएचएल ने आगे बढ़कर कार्य किया है।

प्राकृतिक आपदाओं, चिकित्सकीय निकासी या आपातकालीन परिस्थितियों से जुड़ी किसी भी सहायता की पुकार आने पर पीएचएल ने आगे बढ़कर महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है। सभी पीएचएल कार्मिक ऐसी किसी भी भयावह स्थिति को पूरा करने और कम करने के लिए हमेशा तत्परता पर रहते हैं।

पवन हंस लिमिटेड ने भारत के उत्तरी भाग के कुछ क्षेत्रों में विशिष्ट काम किया है। सर्दियों में यहाँ के अनेक मार्गों और दर्रों में भारी बर्फ के कारण लंबी अवधि तक यातायात अवरुद्ध हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप कई बस्तियाँ शहरी केंद्रों से कट जाती हैं। ऐसी स्थितियों में, पीएचएल हेलीकॉप्टरों ने क्रमशः हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर संघ शासित प्रदेश, लेह संघ शासित प्रदेश और कुछ पूर्वोत्तर क्षेत्र के दूर-दराज के सीमावर्ती और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को आवश्यक "अंतिम मील कनेक्टिविटी" प्रदान की है। पीएचएल लक्षद्वीप और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के निवासियों को एक सहज अंतर-द्वीप कनेक्टिविटी भी प्रदान करता है।

आपदा और विनाशकारी परिस्थितियों में पीएचएल द्वारा निभाई गई कुछ प्रमुख भूमिकाएं इस प्रकार हैं -

1. खोज एवं बचाव (सर्च एंड रेस्क्यू)

- ऐसे कई अवसर आए हैं जहां पीएचएल ने दुर्गम इलाकों या दुर्गम क्षेत्रों, जैसे दूरदराज के पहाड़ों, बाढ़ वाले क्षेत्रों और अंतर-द्वीपों के स्थानों में फंसे या फंसे व्यक्तियों का पता लगाने और उन्हें बचाने के लिए सर्वोत्कृष्ट भूमिका निभाई है।

2. चिकित्सकीय निकासी (मेडिकल इवैक्युएशन-मेडीवैक)

- ऐसे कई अवसर आए हैं जहां पीएचएल ने गंभीर रूप से घायल या मरणासन्न रूप से बीमार व्यक्तियों को ट्रॉमा सेंटर और दुर्घटना आपात-कालीन चिकित्सा सुविधाओं में तेजी से निकासी की आवश्यकता होती है। पीएचएल हेलीकॉप्टरों ने सड़क की भीड़ को दरकिनार करते हुए और प्रभावित दूरदराज के स्थानों तक पहुचने के लिए मरीजों को तेजी से और सुरक्षित रूप से पहुंचाया है, जो सामान्य परिस्थितियों में ग्राउंड एम्बुलेंस द्वारा पहुँच पाना संभव नहीं होता है।

3. कार्मिकों और सामग्री का परिवहन

- पीएचएल हेलीकॉप्टरों ने अग्निशामकों, त्वरित प्रतिक्रिया चिकित्सा टीमों और मानवीय सहायता कार्यकर्ताओं सहित आपातकालीन उत्तरदाताओं को यथासंभव शीघ्रता से आपदा स्थलों पर पहुंचाने में सहायता की है।
- पीएचएल ने भोजन, पानी, चिकित्सा उपकरण और अस्थायी आश्रयों जैसी आवश्यक आपूर्ति को प्रभावित क्षेत्रों में पहुँचाया है, जब परिवहन के परंपरागत मार्गों से पहुँचाना दुर्गम थे।
- दुर्लभ स्थितियों में, पीएचएल ने मरीज की जीवन-रक्षा के लिए की जा रही अंग-प्रतिरोपण सर्जरी के लिए 'जीवित-अंगों (लाइव ऑगर्न्स)' के परिवहन का कार्य भी किया है।

4. हवाई सर्वेक्षण और क्षति का आकलन

- पीएचएल की क्षमताओं का उपयोग आपदा की स्थिति के दौरान क्षति और तबाही का आकलन करने के लिए टोही और निगरानी के लिए किया गया है। इससे पीएचएल को प्रभावित साइट पर आपदा प्रतिक्रिया टीम को स्थानांतरित करने और जरूरतमंद लोगों को सीधे आपूर्ति पहुंचाने के संदर्भ में रसद की योजना बनाने में मदद करता है।

- आपदा के बाद, पीएचएल हेलीकॉप्टरों का उपयोग हवाई सर्वेक्षण करने के लिए किया गया है ताकि नुकसान की सीमा का आकलन किया जा सके और यह निर्धारित किया जा सके कि संसाधनों की सबसे अधिक आवश्यकता कहां है। ऐसे सर्वेक्षण निर्णयकर्ताओं को वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करते हैं, जिससे संसाधनों का अधिक प्रभावी आवंटन और राहत प्रयासों का समन्वय संभव होता है।

5. मानवीय सहायता और आपदा-राहत (HADR):

- बड़े पैमाने पर आपदाओं के दौरान, पीएचएल हेलीकॉप्टर प्रभावित आबादी को भोजन, पानी और चिकित्सा आपूर्ति सहित मानवीय सहायता पहुंचाने में सहायक रहे हैं।
- पीएचएल अस्थायी आश्रयों और चिकित्सा सुविधाओं को स्थापित करने के लिए राहत कर्मियों और उपकरणों के परिवहन द्वारा रसद का समर्थन भी करता है।

6. क्षेत्रीय कनेक्टिविटी स्कीम

भारत सरकार द्वारा समर्थित क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना आरसीएस उड़ान पहल का लक्ष्य है वंचित-क्षेत्रों तक पहुँच बनाकर क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना।

भारत सरकार की क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (आरसीएस) को लांच करने वाले देश के पहले हेलिकॉप्टर ऑपरेटर हैं पीएचएल। कंपनी को देश के आठ राज्यों में फैले 42 नेटवर्क आवंटित किए गए हैं, जिनमें 128 रूट शामिल हैं।

कंपनी को, इस योजना के अंतर्गत 42 अविकसित और असेवित क्षेत्रों को कनेक्ट करने से जुड़ी सेवाओं के कारण, नागरिक विमानन मंत्रालय (एमओसीए) द्वारा 'उड़ान का चैंपियन' होने के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया है।

आरसीएस हेलिकॉप्टरों की उपलब्धता से न केवल उन क्षेत्रों की एयर-कनेक्टिविटी में सुधार हुआ है, बल्कि विभिन्न जीवन-रक्षक मिशनों में पीएचएल आरसीएस हेलिकॉप्टरों के योगदान को स्वीकार भी किया गया है।

पीएचएल आरसीएस हेलिकॉप्टरों के कुछ महत्वपूर्ण मिशन इस प्रकार हैं:

- सिक्किम में बाढ़-सहायता ऑपरेशंस
- नगालैंड राज्य में मेडीवैक सहायता ऑपरेशंस
- उत्तराखंड सुरंग ऑपरेशंस के दौरान चलाए गए जीवन-रक्षक मिशन
- उत्तराखंड बाढ़ ऑपरेशंस के दौरान बचाव मिशन

भारत सरकार की क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (आरसीएस), ऐसी प्रशंसनीय योजना है, जिसने अंतिम मील की कनेक्टिविटी (लास्ट-माइल कनेक्टिविटी) को बहुत बेहतर बनाया है, सुदूर क्षेत्रों में बचाव-कार्यों को सुगम बनाया है और महत्वपूर्ण मेडीवैक सेवाएं उपलब्ध कराई हैं। इस योजना ने क्षेत्रीय विकास और आपातकालीन सहायता सामर्थ्य में महत्वपूर्ण सुधार किया है।

इसके अलावा भारत में हेलिकॉप्टर उद्योग के हितधारकों को आपदा-प्रबंधन के कार्यों में हेलिकॉप्टरों के भविष्य में उपयोग की दिशा में कार्य करने चाहिए।

क) जंगल की आग और शहरी स्थानों पर आग जैसी बाजार आवश्यकताओं के आधार पर, हेलीकॉप्टरों में पानी की बाल्टियों या विभिन्न आकारों के इनबिल्ट टैंकों के साथ हेलीकॉप्टरों को लैस करके अग्निशमन सहायता के लिए हेलीकॉप्टरों का उपयोग किया जा सकता है। यह भविष्य का अनुप्रयोग हवाई अग्निशमन में सहायता कर सकता है, विशेष रूप से दूरस्थ या ऊबड़-खाबड़ इलाकों में जंगल की आग का मुकाबला करने में जहां जमीन आधारित अग्निशमन प्रयास चुनौतीपूर्ण हैं।

ख) हेलीकॉप्टरों के माध्यम से संचार और समन्वय की भूमिका को हवाई कमान केंद्रों के रूप में सेवा देने के लिए भी लागू किया जा सकता है, जिससे जमीनी टीमों, मुख्यालयों और अन्य प्रतिक्रिया इकाइयों के बीच संचार की सुविधा हो सकती है। वे महत्वपूर्ण जानकारी रिले कर सकते हैं, बचाव कार्यों का समन्वय कर सकते हैं और समग्र प्रतिक्रिया दक्षता बढ़ाने के लिए स्थितिजन्य जागरूकता प्रदान कर सकते हैं।

नागर विमानन सेक्टर की सेवा में पवन हंस की भूमिका

भारत सरकार के नागर विमानन मंत्रालय के अधीन संचालित होने वाले उपक्रम पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल) के पास भारत में हेलीकॉप्टर सेवा की 38 साल से ज्यादा की विमानन परंपरा है। नागर विमानन पर एशिया के सबसे बड़े कार्यक्रम 'विंग्स इंडिया 2024' में हेलीकॉप्टर पार्टनर के रूप में पवन हंस की भागीदारी का उद्योग जगत ने स्वागत किया।

विंग्स इंडिया 2024 में पवन हंस ने सभी पैनल डिस्कशंस में सक्रियता से भाग लेकर, 'स्टैटिक डिस्प्ले' में लॉकहीड मार्टिन सिकोर्स्की एस76डी हेलिकॉप्टर के डिस्प्ले और भारत के नागर विमानन हेलिकॉप्टर ऑपरेशंस के विभिन्न क्षेत्रों की 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' में पवन हंस के योगदान को शोकेस करके अपनी विशेषज्ञता और सेवाओं को प्रदर्शित किया। नागर विमानन मंत्रालय के सचिव श्री वुमलुनमंग वुअलनाम आईएएस और संयुक्त सचिव (एसीए) श्री असंगबा चुबा आओ आईएएस ने इस अवसर पर पवन हंस के स्टॉल और 'स्टैटिक डिस्प्ले' क्षेत्र में पधार कर एलएम सिकोर्स्की एस76डी का निरीक्षण किया, जो पवन हंस के बेड़े में शामिल नवीनतम हेलीकॉप्टर है।

विंग्स इंडिया 2024 में पवन हंस को बेस्ट 'एनएसओपी-हेलीकॉप्टर ऑपरेटर अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार केंद्रीय नागर विमानन तथा इस्पात मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम सिंधिया ने पवन हंस लिमिटेड के अध्यक्ष तथा मैनेजिंग डायरेक्टर श्री संजीव राज़दान को प्रदान किया। इस अवसर पर नागर विमानन तथा सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्यमंत्री जनरल (डॉ) वीके सिंह (सेनि), नागर विमानन मंत्रालय के सचिव श्री वुमलुनमंग वुअलनाम आईएएस और संयुक्त सचिव (एसीए) श्री असंगबा चुबा आओ आईएएस भी उपस्थित थे।

पवन हंस का एक समृद्ध पोर्टफोलियो है, जिसमें हेलीकॉप्टर की सेवाएं प्रदान करके देश के सुदूर और दुर्गम इलाकों में विविध प्रकार की ऐसी सेवाएं उपलब्ध कराना शामिल है, जिससे एयर कनेक्टिविटी को बेहतर हुई है।

46 हेलीकॉप्टरों के साथ पवन हंस को भारत की सबसे बड़ी हेलीकॉप्टर कंपनी होने का गौरव प्राप्त है।

पवन हंस ने तेल तथा गैस के अपतटीय ऑपरेशंस, अंतर-द्वीपीय कनेक्टिविटी, हेली पर्यटन (टूरिज़्म), होली तीर्थाटन (पिलग्रिमेज), स्पेशियलाइज्ड एरियल ऑपरेशंस, आपदा प्रबंधन तथा मेडिकल राहत जैसे विभिन्न क्षेत्रों के हेलीकॉप्टर ऑपरेशंस में अग्रणी (पायनियर) भूमिका निभाई है। कंपनी ने श्रीनगर और सिक्किम में बाढ़ राहत, उत्तराखंड में राहत कार्य और खासतौर से कोविड-19 महामारी के राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान भारत सरकार के नागर विमानन मंत्रालय के 'लाइफलाइन उड़ान' कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका को निभाया।

पवन हंस ने 2019 में हेलीकॉप्टर ऑपरेशंस के लिए भारत सरकार की फ्लैगशिप क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (आर-सीएस) को लॉन्च करके पहल की और आरसीएस ऑपरेशंस के चार साल सफलता के साथ पूरे किए।

नागर विमानन मंत्रालय ने देश में एविएशन के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के लिए आरसीएस हेलीपोर्ट्स के विकास के लिए पवन हंस को नोडल एजेंसी बनाया है। पवन हंस देश में 75 स्थानों पर हेलीपोर्ट्स के विकास के लिए विभिन्न राज्य सरकारों और केंद्र शासित क्षेत्रों को प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंसी (पीएमसी) प्रदान करके महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

विंग्स ऑफ इंडिया 2024 के दौरान पवन हंस के एक्ज़िक्यूटिव डायरेक्टर श्री संजय कुमार और एलायंस एयर लिमिटेड के चीफ एक्ज़िक्यूटिव ऑफिसर श्री विनीत सूद के बीच कोड शेयरिंग व्यवस्था के माध्यम से 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर नागरविमानन मंत्रालय के संयुक्त सचिव (एसीए) श्री असंगबा चुबा आओ आईएएस तथा पवन हंस के अध्यक्ष तथा मैनेजिंग डायरेक्टर श्री संजीव राज़दान भी उपस्थित थे। देश के सुदूर और दुर्गम इलाकों की कनेक्टिविटी की दिशा में यह एमओयू एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

अपनी स्थापना के बाद से पवन हंस 8 लाख उड़ान घंटों से ज्यादा पूरे कर चुका है और करीब 28 लाख लैंडिंग पूरी करके 1.3 करोड़ ले ज्यादा यात्रियों की सेवा कर चुका है।

'स्किल डेवलपमेंट एंड ट्रेनिंग डोमेन' में पवन हंस ने 2009 में पवन हंस ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (पीएचटीआई) की स्थापना करके एविएशन उद्योग की स्किल्ड (कुशल) मैनपावर जरूरतों को पूरा करने की प्रतिबद्धता को स्थापित किया है। इस पहल के अंतर्गत पवन हंस ने मुंबई और दिल्ली में ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट स्थापित किए हैं। तेजी से बढ़ते एविएशन सेक्टर की विविध प्रकार की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्पेशियलाइज्ड एविएशन ट्रेनिंग के विकास पर निरंतर काम करते रहना इसका लक्ष्य है।

पवन हंस के पास रोहिणी (दिल्ली) और जुहू (मुंबई) में अपना इन-हाउस मेंटीनेंस एंड रिपेयर ऑपरेशन (एमआरओ) सेट अप है, जो एयरक्राफ्ट मेंटीनेंस इंजीनियरिंग की सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए वन स्टेप शॉप का काम कर रहा है। पवन हंस मेंटीनेंस और निरंतर एयरवर्दीनेस मैनेजमेंट के लिए कार (सिविल एविएशन रेग्युलेशंस) 145 और कार पार्ट एम मेंटीनेंस संगठन के लिए डीजीसीए से स्वीकृत है। पवन हंस लिमिटेड व्यापक स्तर पर हेलिकॉप्टरों के लिए एमआरओ सेवाएं उपलब्ध कराता है, जिनमें बेल 206 एल4, बेल 407, एएस 350 बी3, एमआई-172, एएलएच ध्रुव, चीता और चेतक तथा डॉफिन एन, डॉफिन एन3 टाइप के हेलीकॉप्टर शामिल हैं।

राष्ट्रीय हेलीकॉप्टर ऑपरेटर के रूप में पीएचएल ने देश के नागर विमानन सेक्टर की संवृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है।

नागर विमानन मंत्रालय (एमओसीए) ने भारत में हेलीकॉप्टर आपातकालीन चिकित्सा सेवा (एचईएमएस) की क्रांतिकारी शुरुआत की

एक अग्रगामी कदम के रूप में नागर विमानन मंत्रालय (एमओसीए) भारत में हेलीकॉप्टर आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं (एचईएमएस) की शुरुआत के साथ स्वास्थ्य सेवा को बदलने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस रणनीतिक पहल का उद्देश्य चिकित्सा आउटरीच को फिर से परिभाषित करना, जीवन-घातक घटनाओं के समय में तेजी से आपातकालीन चिकित्सा देखभाल प्रदान करना है।

नागर विमानन मंत्रालय(MOCA) का हस्तक्षेप एक पायलट परियोजना की शुरुआत के साथ शुरू हुआ, जिसमें आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं (ईएमएस) की भूमिका में हेलीकाप्टर उपयोग की शुरूआत की गई है। एक निविदा प्रक्रिया के परिणामस्वरूप एम्स ऋषिकेश हेलीपैड पर एक साल की अवधि के लिए एयर एम्बुलेंस हेतु एक हेलीकॉप्टर प्रदान करने के लिए एक पार्टी का चयन किया गया। यह अभूतपूर्व परियोजना, जो जल्द ही लॉन्च होने वाली है, अन्य राज्यों के लिए एक ब्लूप्रिंट योजना के रूप में काम करेगी, साथ ही ओडिशा और मध्य प्रदेश भी इसी तरह की सेवाओं में प्रबल रुचि व्यक्त कर रहें हैं।

चयनित हेलीकॉप्टर एक स्ट्रेचर और चिकित्सा उपकरण सहित पूरी तरह से परिचालन ईएमएस किट से सुसज्जित है, जो 100 एनएम की दूरी पर एक मरीज और 1-2 चिकित्सा कर्मियों के परिवहन को सक्षम बनाता है। चिकित्सा नियंत्रण और संचालन की देखरेख एम्स ऋषिकेश द्वारा की जाएगी, जो रोगी की स्थिति के अनुरूप आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति की उपलब्धता सुनिश्चय करेगी।

नागर विमानन मंत्रालय(MOCA) का दृष्टिकोण एचईएमएस सेवाओं के राष्ट्रव्यापी विस्तार, भूमि-आधारित एम्बुलेंस के पूरक के लिए एक एकीकृत नेटवर्क बनाने और अभिघात (ट्रॉमा) देखभाल की सुगमता को महत्वपूर्ण रूप से वृद्धि करना है।

मध्य प्रदेश ने 2 मार्च 2024 को एकीकृत एयर एम्बुलेंस सेवाओं का उद्घाटन किया

मध्य प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री ने क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन 2024 के दौरान 2 मार्च 2024 को एयर एम्बुलेंस सेवाओं का उद्घाटन किया। मध्य प्रदेश में भोपाल स्थित एयर एम्बुलेंस सेवाएँ, स्वास्थ्य सेवा में क्रांति लाने के लिए तैयार हैं। एक हेली-एम्बुलेंस और एक फिक्स्ड-विंग एयर एम्बुलेंस के साथ, उच्च प्रशिक्षित डॉक्टरों और पैरामेडिक्स से सुसज्जित इस व्यापक सेवा

का लक्ष्य राज्य के सभी जिलों और प्रशासनिक क्षेत्रों को कवर करना है।

एक एकल इंजन हेलीकॉप्टर और एक फिक्स्ड-विंग विमान का संयोजन दिन और रात एचईएमएस परिचालन सुनिश्चित करता है, जो मौजूदा हवाई अड्डों पर ईंधन भरने के विकल्पों के साथ मध्य प्रदेश के किसी भी हिस्से तक पहुंच सकता है। आयुष्मान भारत योजना के अनुरूप, यह सेवा आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को दिल्ली, मुंबई, चेन्नई या हैदराबाद के उच्च चिकित्सा केंद्रों में ले जाने के लिए एयरलिफ्ट करने से पहले पिकअप स्थानों पर स्टेबलाजेशन करने को प्राथमिकता देती है।

एचईएमएस टीम की रणनीतिक क्षमताओं में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए भोपाल में परिचालन बेस के साथ राज्य में कहीं भी लैंडिंग शामिल है। नियुक्त किए गए एक नोडल अधिकारी चिकित्सा स्थानांतरण के लिए प्राथमिक संपर्कता का कार्य करता है और जिला चिकित्सा अधिकारियों और एयर एम्बुलेंस कमांड सेंटर के बीच संचार को सुव्यवस्थित करता है।

शुरूआत की गई तीव्र प्रतिक्रिया आपातकालीन चिकित्सा प्रणाली (आरआरईएमएस) दूरस्थ मॉनीटरिंग को एकीकृत करती है, जिससे भोपाल में आईसीएटीटी कमांड सेंटर द्वारा गंभीर रोगियों का वास्तविक समय पर मूल्यांकन किया जा सकता है। यह अभिनव प्रणाली चिकित्सा आपात स्थिति के लिए समय पर और कुशल प्रतिक्रिया सुनिश्चित करते हुए विमान और चिकित्सा टीम के उपयोग को अनुकूलित करती है।

आईसीएटीटी के सहयोग से पवन हंस ने आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित बेल 407 हेलीकॉप्टर तैनात करके इस पहल में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

यह सहयोग पवन हंस की सामाजिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता और जीवन रक्षक मिशनों में सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है।

पवन हंस लिमिटेड के बारे में

नागर विमानन मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम पवन हंस लिमिटेड 1985 से भारत में हेलीकॉप्टर परिचालन में बाजार में अग्रणी रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में विविध बेड़े और सेवाओं के साथ, पवन हंस क्षेत्रीय संपर्क (कनेक्टिविटी) और सामाजिक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

आईसीएटीटी एयर एम्बुलेंस सेवाओं के बारे में

आईसीएटीटी एयर एम्बुलेंस सेवाएँ, एशिया की सबसे बड़ी एयर एम्बुलेंस सेवा है और इसका नेतृत्व कई दशक से अधिक के अनुभव वाले क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा किया जाता है। 2028 के केरल बाढ़ के दौरान एचईएमएस को अपनी विशेषज्ञता और सिद्ध अवधारणा के लिए जाना जाता है, भारत में, आईसीएटीटी एयर एम्बुलेंस सेवाओं में क्रांति लाने में सबसे आगे है।

पवन
Pawan

हवाई परिवहन परिचालन में

पवन

- 8 लाख से अधिक घंटों की उड़ान भरी
- 1.3 करोड़ से अधिक

हंस लिमिटेड
Hans Limited

हेलीकॉप्टर परिचालन
में उत्कृष्टता के
नए क्षितिज की तलाश

सेवाओं और क्रांति लाना

हंस

- 28 लाख से अधिक बार लैंडिंग की

यात्रियों को सेवा प्रदान की

मुझे मेरे हिस्से में मेरी मां चाहिए

मेरे पैदा होने की सबसे ज्यादा खुशी
शायद मेरी माँ को ही मिली होगी
आंखें उसकी भी शायद गीली हुई होंगी
पर वो मुझे पाके खुद से मिली होगी
जिंदगी के हर मोड़ पर मुझे उसी का प्यार चाहिए
बाकी तुम रख लो,
मुझे तो मेरे हिस्से में मेरी माँ चाहिए

मेरी खुशियों में उसने अपनी खुशी ढूंढी
मुझे खिला कर वो खुद सो गयी भूंखी
अकेले ही सारी मुश्किलों का सामना कर गई
ताकि गीली ना हो मेरी आंखें सुखी
कभी जरूरत पड़े तो मुझे उसी का दुलार चाहिए
बाकी तुम सब रख लो,
मुझे तो मेरे हिस्से में मेरी माँ चाहिए

मै उससे दूर हो गया, कुछ कमियों मे सुधार के लिए
दिल नहीं माँ रहा था उससे दूर जाने के लिए
उसे नी दिखा तो उसने प्यार जताया सवालों से
जब की नींदे कह रही थी उसे सोने के लिए
मेरी खुशियों में वो मुझे हर बार चाहिए
बाकी तुम सब रख लो,
मुझे तो मेरे हिस्से में मेरी माँ चाहिए

नाम - भारती करण
एसोसिएट (आंतरिक लेखा परीक्षा)

कलाई पर धागा

बांधा था बहना ने धागा, भाई की कलाई पर शाम को ही पैगाम आ गया,चलना है लड़ाई पर।

कुमकुम तिलक लगाया,दी थी मिश्री भोग लगाने को, जुग-जुग जिए भैया मेरा,खड़ा जंग पर जाने को।

रक्षा कवच बांध कर,बोली थी उससे,उसकी बहना, सरहद की रक्षा करो,पर स्मरण रहे,तुम हो भाभी का गहना।

गरीब मां-बाप की भी, भैया तुम ही तो लाठी हो, और गर्भ के बच्चे का भविष्य, जिनकी तुम सी कद-काठी हो।

देकर ढ़ेरों दुआंए, तुमको जिस मां ने पाला है, करेगी तेरा इंतजार,तु घर-आंगन का उजाला है।

थे रेशम की कच्ची डोरी,तो लाखों वचन निभाती है, देश की रक्षा की खातिर,प्राण बलि दे जाती है।

कलाई पर बंधा राखी रूप में, क्या तुम्हें न तिरंगा भाया था, ये क्या किया भैया ? हा ! तन पर क्यूं लिपटा लाया जाया था। क्या तुम नहीं जानते थे, कि तुम सर्वस्व हमारा हो, मां के आंचल की समपत्ति, बाबा की आंख का तारा हो।

क्या करेंगे जय-जयकार का, से कैसा प्रारब्ध है, उठ कर देखों मां क्यूं मौन, और पिता क्यूं स्तब्ध है।

क्यूं एक भी बार नहीं सोचा, जब वो दुनिया में आएगा, मां का प्यार तो पा लेगा, पर किसको पिता बुलाएगा।

भाभी किवाड़ की ओट में छुपकर रूलाई रोक नहीं पाती, कैसे होगा अब प्रकाश,जब दिया न है, केवल बाती।

सुधा कोहली
महाप्रबंधक (उक्षे) का कार्यालय

क्षेत्रीय संपर्क

अवलोकन

भारत, अपनी विविध संस्कृतियों, आर्थिक गतिविधियों और विविध परिदृश्यों के साथ, यह मानता है कि प्रत्येक नागरिक को सामाजिक-आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए देश भर में निर्बाध रूप से जुड़े रहने का हकदार है। इस मूलभूत आवश्यकता को पहचानते हुए, भारत सरकार ने देश के क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी नेटवर्क को मजबूत करने को प्राथमिकता दी है। इस फोकस में नीतिगत सुधारों को लागू करना, सब्सिडी योजनाएं शुरू करना और इस महत्वपूर्ण पहलू को मजबूत करने के लिए ढांचागत विकास पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है।

भारत सरकार की आधारशिला पहल, जिसका उद्देश्य देश के सबसे दूरस्थ कोनों को भी जोड़ना है, क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी को बढ़ाने के इर्द-गिर्द घूमती है। यह योजना अल्पसेवित और असेवित हवाई अड्डों, हेलीपोर्टों और वॉटर एरोड्रोमों को सक्रिय करने और उन्हें देश के विमानन नेटवर्क में एकीकृत करने पर केंद्रित है।

बेहतर क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी दूरदराज और अल्पसेवित क्षेत्रों तक आसान पहुंच सुनिश्चित करती है, उन्हें प्रमुख शहरों और आर्थिक केंद्रों से जोड़ती है। यह यात्रा के समय को कम करता है और पहुंच बढ़ाता है, व्यापार वृद्धि, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाता है।

पवन हंस का क्षेत्रीय एयर-कनेक्टिविटी में योगदान

राष्ट्रीय हेलीकॉप्टर ऑपरेटर पवन हंस हमेशा हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रदान करके देश के दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में हवाई-संपर्क को मजबूत करने के लिए नई पहल करने में अग्रणी रहा है।

पीएचएल सरकार की प्रमुख आरसीएस योजना के लिए हेलीकॉप्टर परिचालन शुरू करने वाला देश का पहला हे-लीकॉप्टर ऑपरेटर है। कंपनी को देश के 8 राज्यों में फैले 128 मार्गों को कवर करने वाले कुल 42 नेटवर्क प्रदान किए गए हैं। पीएचएल ने आरसीएस सेवा प्रदाता के रूप में सफलतापूर्वक 04 वर्ष पूरे कर लिए हैं और हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, असम और मणिपुर में 42 क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मार्गों का संचालन किया है।

कंपनी को इस योजना के तहत विभिन्न अल्पसेवित और असेवित क्षेत्रों को जोड़ने के लिए अपनी अनुकरणीय सेवाएं प्रदान करने के लिए नागर विमानन मंत्रालय (एमओसीए) द्वारा "उड़ान का चैंपियन" होने के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया है।

कंपनी अपने क्षेत्रीय नेटवर्क को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए पीएचएल समय-समय पर लॉन्च किए गए लागू आरसीएस उड़ान संस्करणों में भाग लेती रही है।

- **विशिष्ट एससीओ लाइसेंस:** पीएचएल को एससीओ (अनुसूचित कम्प्यूटर ऑपरेटर) लाइसेंस प्राप्त एकमात्र हेलीकॉप्टर ऑपरेटर होने का गौरव प्राप्त है। यह मान्यता विमानन क्षेत्र में पीएचएल की अद्वितीय स्थिति और क्षमताओं को दर्शाती है।
- **अनुसूचित हेलीकॉप्टर मार्गों में मील का पत्थर:** देश के इतिहास में पहली बार हेलीकॉप्टर मार्गों को निर्धारित परिचालन के तहत संचालित किया जा रहा है, जो एक मील का पत्थर है और जो अन्य हेलीकॉप्टर ऑपरेटरों को भारत सरकार की इस महान पहल में शामिल होने के लिए आगे आने के लिए प्रोत्साहित करेगा।
- **आरसीएस मार्गों का विस्तार:** आरसीएस ढांचे के भीतर साल-दर-साल नए मार्गों को शामिल करना और किफायती दरों पर आम नागरिकों को यात्रा करने की सुविधा प्रदान करना योजना की सफलता को उजागर करता है। यह विस्तार दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंच बढ़ाकर आरसीएस उड़ान के उद्देश्य की पूर्ति को दर्शाता है। पवन हंस को हमारे देश के 8 राज्यों में कुल 128 मार्ग प्रदान किया गया है।
- **यात्री संबंधित प्रमुख उपलब्धि:** पवन हंस लिमिटेड ने अपने आरसीएस नेटवर्क पर 20,000 से अधिक यात्रियों को प्रभावी ढंग से यात्रा कराई है। यह उपलब्धि अल्प सुविधा प्राप्त क्षेत्रों में व्यक्तियों के लिए हवाई यात्रा की सुविधा प्रदान करने में पवन हंस लिमिटेड के योगदान के प्रभाव को रेखांकित करती है।
- **अंतिम मील कनेक्टिविटी उद्देश्य:** उड़ान योजना में पवन हंस लिमिटेड का योगदान आरसीएस नेटवर्क को दुर्गम क्षेत्रों तक विस्तारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसका लक्ष्य बहुत आवश्यक अंतिम-मील कनेक्टिविटी प्रदान करना है।
- **रोजगार सृजन और आर्थिक विकास:** आरसीएस पहल के तहत पवन हंस लिमिटेड की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक रोजगार सृजन पर इसका प्रभाव है। दूरदराज और अल्प सुविधा प्राप्त क्षेत्रों में काम करके, पवन हंस लिमिटेड द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं ने इन क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करने और समग्र विकास को बढ़ावा देकर आर्थिक विकास में योगदान दिया है।
- **उत्कृष्ट सेवाओं के लिए मान्यता:** अपनी उत्कृष्ट सेवाओं की मान्यता में, पवन हंस लिमिटेड को प्रतिष्ठित "उड़ान के चैंपियन" प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया है। इसके अलावा, पवन हंस को विंग्स इंडिया 2022 में आरसीएस उड़ान के तहत सर्वश्रेष्ठ हेलीकॉप्टर ऑपरेटर के रूप में मान्यता दी गई है, यह सम्मान माननीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा प्रदान किया गया है। इसके अतिरिक्त, जनवरी 2023 में, पवन हंस को एएसएसओसीएचएएम (ASSOCHAM) द्वारा सर्वश्रेष्ठ हेलीकॉप्टर ऑपरेटर के खिताब से सम्मानित किया गया, जिससे उद्योग में उत्कृष्टता के लिए इसकी प्रतिष्ठा और मजबूत हुई।

आरसीएस हेलीकॉप्टरों की उपलब्धता न केवल संबंधित क्षेत्रों की हवाई कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने में मदद कर रही है, बल्कि पवन हंस लिमिटेड को आरसीएस हेलीकॉप्टरों द्वारा किए जा रहे विभिन्न जीवनरक्षक मिशनों में इसके योगदान के लिए भी पहचानी जा रही है।

पवन हंस लिमिटेड के आरसीएस हेलीकॉप्टरों द्वारा किए गए कुछ प्रमुख मिशन इस प्रकार हैं:

- सिक्किम राज्य में बाढ़ राहत अभियान
- नागालैंड राज्य में मेडिवैक हेतु परिचालन
- उत्तराखंड सुरंग में हुई संचालन के दौरान जीवन रक्षक मिशन चलाए गए
- उत्तराखंड में बाढ़ के दौरान चलाए गए बचाव अभियान

भारत सरकार ने विशेष रूप से हेलीकॉप्टर श्रेणी के लिए आरसीएस के पांच दौर शुरू किए हैं, और पवन हंस ने इन सभी दौरों में सक्रिय रूप से भाग लिया है। यह प्रतिबद्धता भारत सरकार की प्रमुख परियोजनाओं को आगे बढ़ाने और अंतिम-मील कनेक्टिविटी की महत्वपूर्ण आवश्यकता को संबोधित करने के लिए पवन हंस के समर्पण को रेखांकित करती है।

भारत के भौगोलिक विविधता को देखते हुए, पवन हंस कुछ सबसे दूरस्थ स्थानों में परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करने और पहुंच के अंतर को प्रभावी ढंग से पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कंपनी ने कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए 42 मार्गों पर सेवाएं प्रदान करके हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, असम और मणिपुर राज्यों में सफलतापूर्वक अपनी उपस्थिति स्थापित की है।

इस पहल के आधार पर, पवन हंस ने विभिन्न राज्यों को शामिल करते हुए अपने आरसीएस नेटवर्क का और विस्तार किया है, जिससे कुल 42 नेटवर्क प्राप्त हो गए हैं। ये नेटवर्क देश के 08 राज्यों में 128 मार्गों पर फैले हुए हैं। यह विस्तार न केवल क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के प्रति पीएचएल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि भारत के विभिन्न क्षेत्रों में परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है

जंगल की सैर

साल में एक बार, किसी ऐसी जगह जाएँ जहाँ आप पहले कभी नहीं गए हों यह मेरी सोच है। ब्रह्मांड में जाने का सबसे स्पष्ट रास्ता जंगल से होकर जाता है ऐसा मैंने सुना था। जंगल की सैर करना हर किसी को अच्छा लगता है क्योंकि आज कल पहले की अपेक्षा से कम ही जंगल देखने को मिलते हैं इस लिए जंगल की सैर करने के बारे में सोचकर हर कोई काफी खुश हो जाता है। मेरे परिवार के सदस्यों ने फैसला किया कि हम सभी मिलकर जंगल की सैर करने के लिए जाएंगे।

मैं इस सफ़ारी को लेकर बहुत उत्साहित था। यह सोचते-सोचते मुझे रात में नींद नहीं आ रही थी। जब सुबह हुई तो हम सभी जल्दी से तैयार हो गए और अपनी कार से जंगल की सैर करने के लिए निकल गए।

जंगल में जब हम पहुंचे तो हमने देखा वहा लिखा था "पशु साम्राज्य में आपका स्वागत है " और चारों तरफ भिन्न भिन्न प्रकार के पेड़ पौधे हैं, जिन्हें देखकर मुझे काफी खुशी महसूस हुई क्योंकि पेड़ पौधे काफी लहरा रहे थे, मंद मंद सी हवा चल रही थी, कई पक्षी उन पेड़ पौधों पर बैठकर चह चहा रहे थे, यह दृश्य देखकर मुझे काफी खुशी हुई। मेरे पूरे जीवन में, प्रकृति के नए दृश्यों ने मुझे एक बच्चे की तरह आनंदित किया।

अब हम धीरे-धीरे आगे बढ़ते गए तब हम एक स्थान पर पहुंचे और वहां पर हम अपने कार में से उतर गए। वहां पर हमने रहने के लिए एक तंम्बू आरक्षित किया था, वहां पर हम सभी ने मिलकर खाना खाया।

सच मानिए जंगल में खाना खाने का आनंद ही कुछ और ही आता है। खाना खाने के बाद हम जंगल में आगे की ओर घूमने निकल गए अब की बार हम जंगल में पैदल ही जा रहे थे, हमारी सुरक्षा के लिए 2 सुरक्षाकर्मी भी साथ थे। हमने जंगल में देखा की तरह तरह के पेड़ पौधे हैं, जैसे की नीम, आम, नीबू, बरगद एवं कई तरह के पेड़ पौधे और कई तरह के गुलाब, चमेली के फूल देखें, कुछ फूलों का तो मैं उस समय नाम भी नहीं जानता था।

हम थोड़े आगे की ओर गए तो हमें हिरन दिखाई दिए, हिरण झुंड में थे हमें देखते ही वह भागने लगे। हिरणो को देखकर मैं काफी खुश हुआ, हिरण के बच्चे काफी सुंदर थे, पास में ही हमने गिलहरी भी देखी जो तेजी से पेड़ पर चल रही थी, जो दिखने में बहुत ही प्यारी लग रही थी लेकिन वह बहुत ही तेज रफ्तार वाली थी, वह बहुत ही तेजी से पेड़ पर जा पहुंची।

इसके बाद हम जंगल में आगे की ओर बढ़े तो हमें खरगोश दिखाई दिए, खरगोश तो और भी ज्यादा प्यारे लग रहे थे। मैंने जंगल के इस दृश्य को देखा तो मुझे काफी खुशी हुई। हमने छोटी चिड़िया, मैना, तोता आदि सभी पक्षियों को देखा जिन्हें देखकर मुझे काफी खुशी महसूस हुई। हरे रंग के तोते जो कि कई तरह की आवाजे कर रहे थे, सुन कर हमें अच्छा लगा।

हम अब आगे बढ़ते जा रहे थे, हमने जंगल में कई अन्य पशुपक्षियों को देखा फिर हम जंगल की एक नदी के समीप पहुंचे, नदी में हमने मछलियों को तैरते हुए देखा और कई अन्य जीव भी नदी में तैरते हुए नजर आ रहे थे, जिन्हें देखकर मुझे काफी अच्छा लगा, पास में बगुले भी नजर आ रहे थे साथ में नदी के चारों तरफ पेड़ पौधे थे। इस तरह का मनमोहक दृश्य देखकर मैं काफी खुश था।

पर्यटकों को सैर कराने के लिए पार्क प्रबंधन ने कई इंतजाम किए थे, जिन में जीप जैसी गाड़ियां शामिल थी। अधिकतर जीप आसपास के ग्रामीणों की हैं, जिन्हें पार्क प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित किया गया था। इसका उद्देश्य गांव वालों को रोजगार के साधन मुहैया कराकर उन्हें जंगल के करीब लाना है। जंगल और जंगली जीवों की सुरक्षा काफी हद तक इस बात पर निर्भर करती है कि ग्रामीण उनके बारे में क्या सोचते हैं। प्रबंधन ने इस दिशा में पिछले कुछ साल में काफी काम किया, जिसके सकारात्मक परिणाम अब देखने को मिल रहे हैं।

जंगल में बाघ जैसे शिकारियों की आसपास मौजूदगी का पता काफी हद तक लंगूर और पक्षियों के व्यवहार को देखकर लगाया जा सकता है। एक पेड़ पर लंगूर शोर मचाकर उछलकूद कर रहे थे, ये उनका दूसरे जानवरों को सचेत करने का तरीका है। गाइड को पूरा विश्वास था कि बाघ कहीं नजदीक ही है, अब तो मुझे भी अहसास होने लगा था कि बाघ दर्शन देने के लिए आ रहा है, बस हमें उसे खोजना है। काफी देर तक खामोशी के साथ हमारी निगाहें हर पेड़ और झाड़ी को निहारती रहीं। तभी गाइड ने बेहद धीमी आवाज में कहा, अपने दाहिने हाथ की तरफ झाड़ियों में देखिए। जैसे ही मैंने नजरें घुमाईं, हमारी प्रार्थना के पूरा होने का अहसास हुआ। बाघ को इस तरह स्वछंद रूप में देखने का ये मेरा पहला अनुभव था।

बीच-बीच में बाघ हमारी तरफ देखता और फिर ऐसे नजरें फेर लेता मानों देखा ही न हो। मनुष्य के इतना करीब होने का भय उसकी बड़ी-बड़ी आंखों में कहीं भी नजर नहीं आ रहा था। शायद बाघ को अहसास था कि वो यहां सुरक्षित है या फिर उसे मेरा साथ पसंद आ रहा था। काफी देर तक हम एक-दूसरे को देखते रहे, न वो कहीं जाने के मूड में था और न ही हमारी इच्छा वापस लौटने की थी, लेकिन घड़ी हमें वापसी का संकेत दे चुकी थी। गाइड ने ड्राइवर को चलने के लिए कहा, जीप की आवाज सुनकर बाघ ने मुड़कर देखा। शायद यही वो लम्हा था, जिसका मैं अब तक इंतजार कर रहा था। मन को सुकून देने वाली जंगल की शांति को पीछे छोड़कर हम बाहर पहुंच चुके थे। मैंने गाइड और ड्राइवर का धन्यवाद किया और सुनहरी यादों के साथ वापस उस मंजिल की ओर चल निकला जहां दिन की शुरुआत गाड़ियों के शोर से होती है।

संजय रामचन्द्र कदम
पश्चिम क्षेत्र

पवन हंस से सेवानिवृत्ति के बाद का जीवन

सेवानिवृत्ति, एक ऐसा शब्द जो सुनने में तो सरल लगता है, लेकिन जब यह सच में आपके जीवन में आता है, तो अहसास होता है कि इसके साथ कई भावनाएं जुड़ी होती हैं। पवन हंस में बिताए गए मेरे वर्षों ने मुझे न केवल एक अच्छा पेशेवर बनाया, बल्कि जीवन भर के कई रिश्ते भी दिए। ये वही रिश्ते हैं, जिनके कारण सेवानिवृत्ति का दिन भावनात्मक रूप से काफी भारी था।

जब मैं ऑफिस के आखिरी दिन अपनी मेज पर बैठा था, तो सोचा, "अब कौन सुनेगा मेरी रोज की तकनीकी कहानियाँ?" हंसी की बात है, कि अब घर में परिवार के लोग मेरे पुराने किस्से सुनते-सुनते थक गए हैं और कहने लगे हैं, "पापा, अब बस भी करो!"

लेकिन मज़ाक अपनी जगह, सच यह भी है कि सेवानिवृत्ति आपको सोचने का एक मौका देती है। पवन हंस ने मेरे जीवन में जो अनुशासन, कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास भरा, वह सेवानिवृत्ति के बाद भी मेरे साथ है। मैं उन दिनों को याद करता हूँ जब इंजीनियरिंग की कोई जटिल समस्या सामने आती थी, और मैं और मेरी टीम उसे हल करने में रात-दिन एक कर देते थे। उन चुनौतियों को पार करने का अनुभव आज भी मेरे जीवन का एक मजबूत हिस्सा है।

पवन हंस से विदा लेना आसान नहीं था। आखिर, मैंने अपनी जिंदगी के बेहतरीन 35 साल इस संगठन को दिए। यह संस्था मेरे लिए सिर्फ काम करने की जगह नहीं, बल्कि एक दूसरा परिवार बन गई थी। ऑफिस के वो छोटे-छोटे लंच ब्रेक, चाय के कप के साथ हंसी-मजाक, और कभी-कभी गंभीर मीटिंग्स–ये सब अब केवल यादें बनकर रह गए हैं। लेकिन, ये यादें ऐसी हैं, जो हमेशा दिल को सुकून देती हैं।

सेवानिवृत्ति के बाद, कई लोग यह सवाल पूछते हैं कि अब क्या? और मैं कहता हूँ, "अब आराम है, लेकिन केवल शरीर का। दिमाग अभी भी पवन हंस की उड़ान से जुड़ा हुआ है।"

पवन हंस ने मुझे न केवल वित्तीय सुरक्षा दी है, बल्कि यह आश्वासन भी दिया है कि मेरा जुड़ाव इस कंपनी से कभी खत्म नहीं होगा। चाहे वह पेंशन हो या मेरे साथियों का सतत संपर्क, पवन हंस ने हमेशा मुझे यह महसूस कराया है कि मैं अब भी इस परिवार का हिस्सा हूँ।

जीवन की इस नई यात्रा में, मैं खुद को नए अनुभवों और खुशियों के लिए तैयार कर रहा हूँ। और हां, अब थोड़ा समय अपने लिए भी है–कभी सुबह की चाय के साथ अखबार पढ़ते हुए, तो कभी अपने पुराने दोस्तों के साथ यादों को ताजा करते हुए।

लेकिन अंत में, एक बात हमेशा दिल में रहती है: "कभी उड़ान भरना नहीं छोड़ना चाहिए। चाहे काम का जीवन हो या सेवानिवृत्ति, जिंदगी को पूरी ऊर्जा और उत्साह के साथ जीते रहना चाहिए।

धन्यवाद, पवन हंस, इस अविस्मरणीय सफर के लिए

सैयद शकील अहमद
सहायक प्रबंधक (इंजीनियरिंग) [सेवानिवृत्त], उत्तरी क्षेत्र,

हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार करने की जिम्मेदारी हमारे और आपके कंधों पर है

आसमान से समुद्र तक - सीप्लेन का सफर

क्या आपने कभी सोचा है कि समुद्र की सतह के ऊपर से उड़ान भरते हुए सुंदर द्वीपों और तटों को निहारने का मौका मिले? या फिर प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत और बचाव कार्यों में योगदान देने का अवसर हो? यह सभी सपने अब हकीकत बन सकते हैं, सीप्लेन की मदद से!

सीप्लेन क्या है?

सीप्लेन एक विशेष प्रकार का विमान है, जो पानी पर उतरने और उड़ान भरने की क्षमता रखता है। यह न तो पूरी तरह से पारंपरिक विमान है और न ही साधारण नाव, बल्कि दोनों का एक अद्वितीय मिश्रण है। इसका इस्तेमाल कई प्रकार की सेवाओं और आपातकालीन कार्यों में किया जा सकता है।

पवनहंस और सीप्लेन: एक नई शुरुआत

हमारी कंपनी, पवनहंस, जो वर्षों से हेलीकॉप्टर सेवाओं में अग्रणी रही है, अब अपने बेड़े में सीप्लेन को भी शामिल कर रही है। यह कदम हवाई यात्रा और सेवाओं में हमारी नई दिशा और बढ़ती क्षमताओं को दर्शाता है।यह कदम भारतीय हवाई यात्रा में एक नई दिशा की ओर इशारा करता है, जहाँ यात्रियों को असाधारण अनुभव प्रदान करने के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

सीप्लेन का उपयोग क्यों महत्वपूर्ण है?

1. **पर्यटन:** सीप्लेन से पर्यटक समुद्र के ऊपर से उड़ते हुए दूरस्थ और रमणीय द्वीपों का अनुभव ले सकते हैं। यह भारत के पर्यटन उद्योग में नई संभावनाओं को जन्म देगा।
2. **आपदा प्रबंधन:** आपातकालीन परिस्थितियों जैसे बाढ़, तूफान या भूस्खलन के समय सीप्लेन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह राहत सामग्री पहुँचाने और लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में अहम साबित होगा।
3. **समुद्री सुरक्षा:** समुद्री सीमाओं की निगरानी और सुरक्षा के लिए भी सीप्लेन का उपयोग किया जा सकता है। यह समुद्री अपराधों को रोकने में सहायता करेगा और तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

पवनहंस का सीप्लेन के साथ उज्ज्वल भविष्य

पवनहंस का लक्ष्य सीप्लेन की मदद से अपनी सेवाओं को और अधिक व्यापक और कुशल बनाना है। कंपनी का मानना है कि सीप्लेन भारतीय हवाई यात्रा क्षेत्र में क्रांति ला सकते हैं। इसके जरिए न केवल नए पर्यटन मार्ग खोले जाएंगे, बल्कि आपदा प्रबंधन और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में भी बड़ा योगदान होगा।

नए अवसर और चुनौतियाँ

सीप्लेन के आगमन से पवनहंस के कर्मचारियों और उपयोगकर्ताओं के लिए नए अवसर और अनुभव सामने आएंगे। चाहे वह पर्यटन हो या आपदा राहत, सीप्लेन हमारे जीवन का हिस्सा बनते हुए हमें नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करेगा।

निष्कर्ष

सीप्लेन पवनहंस के भविष्य की नई उड़ान का प्रतीक है। यह कंपनी की सेवाओं को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएगा और भारतीय हवाई यात्रा के क्षेत्र में एक अनोखी क्रांति का सूत्रधार बनेगा। आने वाले समय में, पवनहंस का यह कदम न केवल यात्रियों को नए अनुभव देगा बल्कि देश की सेवा में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सैयद अब्बास शकील
प्रशिक्षु,

मनुष्य को रोजाना मिट्टी के संपर्क में आने से शारीरीक - मानसिक लाभ

विशेषज्ञ की राय:

धूल-मिट्टी आपके मूड से लेकर माइक्रोबॉयोम तक हर चीज को फायदा पहुँचाता है। एसोसियेशन ऑफ नेचर एंड फॉरेस्ट थेरेपी गाइड्स एंड प्रोग्राम्स के फाउंडर एमोस क्लिफोर्ड ने कहा, 'मिट्टी को देखने, इसकी सुगंध को लेने में कुछ समय बिताएं। इसे मुट्ठी में ले और उंगलियों से छान लें, फिर अपने हाथों को अपने चेहरे पर मल ले, जैसे मसाज करते हैं। गीली जमीन, कीचड. में नंगे पैर चलें। इससे आंखों और सिर को ठंडक मिलेगी।

इम्यून सिस्टम में उपयोगी:

मिट्टी को लेकर सबसे ताजा शोध फिनलैंड में किया गया है। शहर के डेकेयर होम में बच्चों को मिट्टी के मैदान पर खेलने-कूदने रहने दिया गया। उनके स्वास्थ्य की तुलनात्मक स्टडी बजरी यानी सीमेंटेड और साफ-सुथरे टाइल्स फर्श पर रहने वाले बच्चों से की गई, तो उनका इम्यून मजबूत पाया गया। माइक्रोबॉयोम अच्छे थे और दो साल बाद भी उनके पेट और त्वचा के लिए लाभकारी बैक्टीरिया कारगर व जीवंत बने रहे।

वैज्ञानिकों को लंबे समय से पता है कि थोडी. सी मिट्टी हमारे लिए अच्छी हो सकती है। अब एक शोध से पता चला है कि जो लोग खेतों में पले-बढे. हैं, उनमें पेटी की बीमारी, अस्थमा और एलर्जी होने का खतरा न के बराबर होता है, क्योंकि वे अलग-अलग किस्म के सूक्ष्म जीवाणुओं के संपर्क में आते हैं। इनसे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। 1070 के दशक में वैज्ञानिकों ने मिट्टी में पाए जाने वाले जीवाणु माइकोबैक्टीरियम वैके का पता लगाया। यह मानव मस्तिष्क में सूजन को रोकता है। तनाव को कम करता है और इम्यून सिस्टम (प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया) को मजबूत बनाता है। कोलोराडो बोल्डर यूनिवर्सिटी में शरीर विज्ञान के प्रोफेसर क्रिस्टोफर ए. लोरी कहते हैं कि घर-शहर से दूर बाहर निकलें और थोडी. धूल-मिट्टी के संपर्क में रहें।

यह केवल बच्चों के लिए ही नहीं, बल्कि वयस्कों के लिए भी फायदेमंद है। डॉ लोरी ने कहा कि कई शोध में साबित हुआ है कि मिट्टी में रहने वाले सूक्ष्मजीवों के संपर्क में आने से शारीरीक और मानसिक लाभ होता है। इसलिए बाहर निकलें और धूल-मिट्टी का लुत्फ उठाएं।

अफ़रोज डालवी
पश्चिम क्षेत्र

राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है

- महात्मा गांधी

साइबर हाइजीन और सुरक्षा के लिए एक सामान्य उपयोगकर्ता के लिए मार्गदर्शन

परिचय:

आज के डिजिटल युग में, इंटरनेट का उपयोग दिन-प्रतिदिन के कार्यों के लिए अनिवार्य हो गया है। चाहे बैंकिग हो, सोशल मीडिया, ऑनलाइन शॉपिंग, या ऑफिस के काम, हमारी अधिकांश गतिविधियां ऑनलाइन होती हैं। इस स्थिति में, साइबर हमलों और डेटा चोरी के जोखिम भी बढ़ गए हैं। इसलिए, साइबर हाइजीन बनाए रखना और सुरक्षा उपायों का पालन करना आवश्यक हो गया है।

साइबर हाइजीन क्या है?

साइबर हाइजीन का मतलब उन आदतों और व्यवहारों का पालन करना है, जो आपके ऑनलाइन डेटा और उपकरणों को सुरक्षित रखते हैं। जैसे हम शारीरिक स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता रखते हैं, वैसे ही डिजिटल जीवन में भी कुछ आदतें अपनाना जरूरी है ताकि हम साइबर खतरों से सुरक्षित रहें।

साइबर हाइजीन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव:

1. **मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें:**
   हमेशा जटिल और लंबे पासवर्ड का उपयोग करें, जिसमें अक्षर, अंक और विशेष चिन्ह शामिल हों। एक ही पासवर्ड को कई जगहों पर उपयोग करने से बचें। नियमित अंतराल पर पासवर्ड बदलते रहें और पासवर्ड मैनेजर का उपयोग करें।

2. **द्वि-चरणीय प्रमाणीकरण (Two-Factor Authentication):**
   अपने महत्वपूर्ण ऑनलाइन खातों के लिए दो-चरणीय प्रमाणीकरण को सक्षम करें। इससे आपके खाते का सुरक्षा स्तर और बढ़ जाता है क्योंकि यह सिर्फ पासवर्ड के बजाए एक अतिरिक्त सुरक्षा परत प्रदान करता है।

3. **सॉफ़्टवेयर अपडेट्स को नज़रअंदाज न करें:**
   आपके उपकरणों और एप्लिकेशन्स का नियमित अपडेट अत्यंत आवश्यक है। ये अपडेट्स साइबर खतरों से बचने के लिए सुरक्षा पैच और नई सुविधाएं लेकर आते हैं।

4. **संदिग्ध लिंक और ईमेल से बचें:**
   किसी भी अज्ञात ईमेल या लिंक पर क्लिक करने से पहले सावधान रहें। साइबर हमले अक्सर फिशिंग और नकली वेबसाइट्स के माध्यम से किए जाते हैं, जो आपकी व्यक्तिगत जानकारी चुरा सकते हैं।

5. **सार्वजनिक वाई-फाई का सुरक्षित उपयोग:**
   यदि आपको सार्वजनिक वाई-फाई का उपयोग करना पड़े, तो एक वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (VPN) का इस्तेमाल करें। सार्वजनिक नेटवर्क पर बिना सुरक्षा के इंटरनेट ब्राउजिंग आपको हैकर्स के लिए आसान लक्ष्य बना सकती है।

6. **डेटा बैकअप:**
   नियमित रूप से अपने महत्वपूर्ण डेटा का बैकअप लें। यदि कभी आपके उपकरण पर साइबर हमला होता है, तो बैकअप आपकी महत्वपूर्ण जानकारी को बचाने में मदद करेगा।

7. **एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर का उपयोग करें:**
   विश्वसनीय एंटीवायरस सॉफ्टवेर का अपयोग करें और इसे नियमित रूप से अपडेट करते रहें। यह आपको वायरस, मालवेयर और अन्य साइबर खतरों से बचा सकता है।

निष्कर्ष:

साइबर हाइजीन और सुरक्षा की आदतें अपनाकर, आप न केवल अपने व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा कर सकते हैं, बल्कि अपने ऑनलाइन अनुभव को भी सुरक्षित और सुखद बना सकते हैं। डिजिटल दुनिया में सतर्कता और सावधानी रखना ही सबसे बड़ा हथियार है।

जयश्री नायर
संयुक्त महाप्रबंधक (आईएस)

ड्रोन और पवनहंस: एक नया अध्याय

आकाश में उड़ते हुए बदलाव की बयार

भारत में ड्रोन तकनीक ने जिस तरह से तेजी से पंख फैलाए हैं, उससे हर कोई हैरान है। इसी बीच, हमारे देश की प्रमुख हेलिकॉप्टर सेवा देने वाली कंपनी, पवनहंस भी इस नए दौर में कदम रख रही है। पवनहंस ने अपने बेड़े में कई ड्रोन शामिल कर लिए हैं और इनका उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में किया जा रहा है।

कैसे बदल रहा है जीवन?

- **तेजी से निरीक्षण:** पहले बड़े-बड़े क्षेत्रों का निरीक्षण करने में काफी समय और संसाधन लगते थे। लेकिन अब ड्रोन की मदद से ये काम कुछ ही पलों में हो जाता है। इससे न सिर्फ समय की बचत होती है, बल्कि खर्च भी कम आता है।
- **आपदाओं से लड़ाई:** जब कहीं भूकंप, बाढ़ या सूखा जैसी कोई आपदा आती है, तो ड्रोन की मदद से हम प्रभावित क्षेत्रों का जल्दी से आकलन कर सकते हैं और राहत कार्य शुरू कर सकते हैं।
- **खेतों की रखवाली:** किसानों के लिए ड्रोन एक वरदान साबित हो रहे हैं। ड्रोन की मदद से किसान अपने खेतों की मिट्टी की गुणवत्ता, फसलों की सेहत और कीटों के हमले जैसी चीजों का पता लगा सकते हैं। इससे वे समय रहते उपाय कर सकते हैं और अपनी फसल को बचा सकते हैं।

पवनहंस का भविष्य

पवनहंस कंपनी ड्रोन तकनीक को और अधिक विकसित करने पर काम कर रही है। कंपनी का लक्ष्य है कि वह ड्रोन की मदद से अपनी सेवाओं को और बेहतर बनाए और देश के विकास में अपना योगदान दे।

आपके लिए क्या मतलब?

ड्रोन तकनीक से आपका जीवन कई तरह से बदल सकता है।

- **सुरक्षित यात्रा:** भविष्य में हो सकता है कि आप ड्रोन से यात्रा करें।
- **बेहतर सेवाएं:** ड्रोन की मदद से आपको और भी बेहतर सेवाएं मिलेंगी, जैसे कि दवाओं की डिलीवरी, पैकेज डिलीवरी आदि।
- **नई नौकरियां:** ड्रोन तकनीक के विकास के साथ ही नए-नए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

आलिया हैदर
स्टेशन मैनेजर

पवन हंस के इवेंट, कार्यकलाप और उपलब्धियां

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Sep 18, 2023

पीएचएल कॉर्पोरेट कार्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान पीआईडीपीआई समाधान, सार्वजनिक खरीद, पूछताछ का संचालन और नैतिकता और सार्वजनिक प्रशासन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिल्ली और मुंबई कार्यालयों के कर्मचारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Sep 21, 2023

पवन हंस को श्री हेमकुंड साहिब के पावन तीर्थस्थल के लिए अपनी हेलीकॉप्टर शटल सेवाएं शुरू करने की खुशी है। हेलीकॉप्टर सेवाएं अब गोविंदघाट से घांघरिया और वापसी के लिए 2975/- रुपए की किफायती दरों पर उपलब्ध हैं [सभी समावेशी],(एक तरफ का किराया)।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Nov 3, 2023

पीएचएल पश्चिमी क्षेत्र में सतर्कता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य निवारक सतर्कता उपायों के बारे में जागरूकता पैदा करना था, जिसकी अध्यक्षता सीवीओ श्री अमल गर्ग और एएआई के मास्टर ट्रेनर्स ने की।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Sep 19, 2023

हिंदी पखवाड़ा के दौरान पवन हंस, प्रधान कार्यालय में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Oct 1, 2023

पीएचएल ने अपने कॉर्पोरेट कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालयों और बेसों पर "स्वच्छता ही सेवा" अभियान के एक भाग के रूप में "श्रमदान", एक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया।

"स्वच्छ भारत एक साझा जिम्मेदारी है", साथ मिलकर, हम अपने देश को स्वच्छ, स्वस्थ और उर्जावान स्थान में बदल सकते हैं।

1 4 6 390

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Oct 17, 2023

राष्ट्र की सेवा में 38 गौरवशाली वर्ष पूरे होने पर पवन हंस में 39वां स्थापना दिवस मनाया गया

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Dec 5, 2023

पीएचएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और फ्लाई ओला के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने प्रथम कैडेट पायलट को आशय पत्र सौंपा। यह हेलीकॉप्टर उद्योग में एक महत्वपूर्ण मोड़ है, जो पायलटों की भारी कमी का सामना कर रहा है। पीएचएल और ओएलए ने अमन को शुभकामनाएं दीं।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Jan 5

भारत के मुख्य न्यायाधीश माननीय डॉ. न्यायमूर्ति धनंजय वाई चंद्रचूड़ द्वारा पवन हंस के हेलीकॉप्टर में राजकोट हवाई अड्डे से गुजरात की उनकी आगामी यात्रा के लिए उड़ान भरने पर गर्व है ।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Jan 18

माननीय नागर विमानन मंत्री, श्री जे एम सिंधिया ने जनरल (डॉ.) वीके सिंह (सेवानिवृत्त) नागर विमानन राज्य मंत्री की उपस्थिति में पवन हंस को विंग्स इंडिया 2024 में सर्वश्रेष्ठ "एनएसओपी-हेलीकॉप्टर ऑपरेटर" के रूप में सम्मानित किया ।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Dec 9, 2023

नई दिल्ली में विमानन क्षेत्र की महिलाओं द्वारा आयोजित एक पुरस्कार समारोह के दौरान माननीय नागर विमानन के राज्य मंत्री जनरल (डॉ.) वी के सिंह (सेवानिवृत्त) ने भारतीय विमानन में महिलाओं के सम्मान के लिए पवन हंस लिमिटेड की एएमई सुश्री त्रिवेणी रहाटे की सराहना की ।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Jan 10

सीएमडी, पवन हंस ने अहमदाबाद में वाइब्रेंट गुजरात 2024 के दौरान "गुजरात में विमान और विमानन सहायक विनिर्माण और एमआरओ के औचित्य" पर केंद्रित विमानन क्षेत्र पर सेमिनार के उद्घाटन सत्र में अपना कीनोट भाषण दिया।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Jan 19

पीएचएल ने देश के हवाई मानचित्र पर एलायंस एयर की उड़ान और पवन हंस हेलीकॉप्टर सेवाओं के बीच एक इंटरलाइन कनेक्शन स्थापित करने के लिए विंग्स इंडिया, हैदराबाद में एलायंस एयर के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Jan 19

पीएचएल के सीएमडी ने भारत में हेलीकॉप्टर परिचालन के अवसरों और संभावनाओं पर एक पैनल चर्चा में चुनौतीपूर्ण इलाकों को जोड़ने में अंतिम मील कनेक्टिविटी और हेलीकॉप्टर पर्यटन की संभावनाओं, हेलीकॉप्टर उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एचईएमएस और हेलीकॉप्टर एफटीओ की आवश्यकता पर चर्चा की

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Jan 19

सचिव, नागर विमानन ने विंग्स इंडिया, हैदराबाद में भारत को एक प्रमुख गंतव्य और बाजार के रूप में स्थापित करने के लिए यात्रा और पर्यटन पर पैनल चर्चा: यात्रा और पर्यटन का मार्ग प्रशस्तीकरण बैठक की अध्यक्षता की।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Jan 20

पीएचएल टीम ने नागर विमानन सचिव श्री वुमलुनमंग वुअलनाम का गर्मजोशी से स्वागत किया एवं नागर विमानन मंत्रालय (एमओसीए) के संयुक्त सचिव श्री असंगबा चुबा आउ , नागर विमानन मंत्रालय अधिकारियों के साथ हैदराबाद के बेगमपेट हवाई अड्डे पर विंग्स इंडिया 24 पर पीएचएल पवेलियन की यात्रा के दौरान।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Feb 12

पवन हंस टीम ने उड़ान 5.1 के तहत नागालैंड में 14 आरसीएस मार्गों के शुभारंभ के संबंध में माननीय मुख्यमंत्री श्री नेफ्यू रियो से मुलाकात की, जो जोरहाट हवाई अड्डे के साथ दीमापुर, मोकोकचुंग, कोहिमा, जुन्हेबोटो, फेक और तुएनसांग को कनेक्ट करेंगे। कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में एक कदम ।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Mar 2

एयर एम्बुलेंस के लिए तैनात देश के पहले समर्पित हेलीकॉप्टर को शामिल करना पीएचएल और हेलीकॉप्टर उद्योग के लिए एक उल्लेखनीय क्षण है। आईसीएटीटी के सहयोग से पीएचएल ने आज मध्य प्रदेश राज्य के लिए "प्रधानमंत्री एयर एम्बुलेंस सेवा" शुरू की है।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Mar 9

पवनहंस में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह की झलकियाँ।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Mar 13

माननीय मुख्यमंत्री श्री बीरेन सिंह ने वर्चुवली मणिपुर में आरसीएस उड़ान के तहत यात्री सेवाओं का शुभारंभ किया। इन प्रयासों के लिए नागर विमानन मंत्रालय और पवन हंस की सराहना की । हेलीकॉप्टर सेवाएं अब इंफाल को जिरीबाम और तामेंगलांग से जोड़ेगी।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Mar 15

आयुर्वेदिक यूनानी और प्राकृतिक चिकित्सा डॉक्टरों के विशेषज्ञों द्वारा पीएचएल मुंबई के कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता सत्र और वार्ता का आयोजन किया गया।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Mar 21

नागर विमानन मंत्रालय के सचिव महोदय की उपस्थिति में दिनांक 20.03.2024 को आयोजित राजभाषा की तिमाही बैठक के दौरान वर्ष 2023 के लिए पवन हंस लिमिटेड की गृहपत्रिका 'हंसध्वनि' को तृतीय पुरस्कार से सम्मनित किया गया

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Mar 22

पवन हंस लिमिटेड में आयोजित हमारे कार्यक्रम की तस्वीरों के साथ होली की उत्सव की भावना को फिर से जीवंत करते हुए। कलरफिल रंगोली और मनोरंजक खेलों ने इसे अविस्मरणीय बना दिया।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Jun 6

"हरित कल के लिए ऊंची उड़ान: पवन हंस ने मनाया पर्यावरण दिवस"

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · May 18

"हम एक साथ मिलकर, रक्तदान करते हैं: पवन हंस रक्तदान अभियान।"

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Jun 13

पवन हंस लिमिटेड के सीएमडी श्री संजीव राजदान ने माननीय नागर विमानन मंत्री श्री किंजरापु राममोहन नायडू का स्वागत किया । सीएमडी ने माननीय मंत्री को पीएचएल के निष्पादन और विकास योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Jun 14

पीएचएल के सीएमडी, श्री संजीव राजदान ने माननीय नागर विमानन राज्य मंत्री, श्री मुरलीधर मोहोल का स्वागत किया । सीएमडी ने माननीय मंत्री को पीएचएल के निष्पादन और विकास योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Jun 21

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 के अवसर पर सीएमडी पवन हंस अपनी टीम के साथ योगासन करते हुए ।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Jul 6

"भारत के नागर विमानन क्षेत्र में पवन हंस लिमिटेड के 38 वर्षों के अग्रणी योगदान को आईसीएम समूह द्वारा 9वें वार्षिक आईटीसीटीए में मान्यता दी गई। हमें भारत के पर्यटन क्षेत्र में हमारे बहुमूल्य योगदान के लिए "सर्वश्रेष्ठ हेलीकॉप्टर सेवा" से सम्मानित होने पर हमें खुशी है।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Aug 14

हर उड़ान के साथ, हम नशा मुक्त भारत का संकल्प लेते हैं-पवन हंस नशा मुक्त भारत का समर्थन करता है।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Aug 29

पवन हंस लिमिटेड के सीएमडी श्री संजीव राजदान ने राजीव गांधी भवन में संगठनात्मक समीक्षा बैठक के दौरान माननीय नागर विमानन मंत्री जी को सम्मानित किया।

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Aug 31

"पवन हंस द्वारा संचालित: जहां कार्य, नेतृत्व और शिक्षा उड़ान भरती है" #टीम निर्माण#कार्य में आनंद#नेतृत्व अन्वेषण और ग्राहक सेवा

Pawan Hans Ltd @PawanHansLtd · Sep 6

23 अगस्त 2024 को अयोध्या में आयोजित "प्रथम वैश्विक आध्यात्मिक पर्यटन सम्मेलन" में, पवन हंस ने हेलीकॉप्टरों के माध्यम से आध्यात्मिक पर्यटन स्थलों को जोड़ने में पवन हंस द्वारा निभाई गई अग्रणी भूमिका पर प्रकाश डाला।

भारतीय विमानन क्षेत्र का भविष्य और कैरियर

भारत मे नागरिक उड्डयन उद्योग पिछले 5 वर्षो से सबसे तेजी से बढ़ते उद्योगो मे से एक उभरता उद्योग हे । इस उद्योग को अनुसूचित हवाई परिवहन सेवा मे वर्गीकरत किया जा सकता हे ,जिसमे डोमेस्टिक और इंटरनेशनल एयरलाइन्स शामिल हे ।

गैर - अनुसूचित हवाई परिवहन सेवा , जिसमे चार्टर ऑपरेटर और एयर टॅक्सी ऑपरेटर शामिल हे ।

एयर कार्गो सेवा ,जिसमे कार्गो और मेल का हवाई परिवहन शामिल हे ।

भारत के हवाई अड्डो की छमता 2025 तक सालाना 1 billion से अधिक यात्राए संभालने की उम्मीद हे ।

इंडिगो भारत की सबसे बड़ी एयर लाइन कंपनी हे जिसकी बाज़ार मे हिस्सेदारी सबसे जायदा हे । भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा डोमेस्टिक विमानन बाज़ार बन गया हे तथा उम्मीद हे की जल्द ही ब्रिटेन को भी पीछे छोड़ देगा । इस Sector मे बदती मांग के कारण , ऑपरेशन करने वाले विमानो की संख्या को भी इंक्रीज़ किया हे ।

2027 तक भारत मे विमानो की संख्या 1100 तक होने की उम्मीद हे । बढ़ते हवाई यातायात को ध्यान मे रखते हुए ,भारत सरकार हवाई अड्डो की संख्या बढ़।ने की दीशा मे काम कर रही हे ।

भारत मे वर्तमान समय मे (2024) 148 हवाई अड्डे चालू हे तथा 2025 तक हवाई अड्डो की संख्या 220 तक हो जाने की उम्मीद हे ।

प्रमुख विकास के बिन्दु

1-आर सी एस, उड़ान के अंतगर्त 2 जल हवाई अड्डो की स्थापना के गई हे ,जिससे दूरदराज़ के एरिया का संपर्क आसान हो गया हे ।

2-एशिया के सबसे बड़े एविएशन एक्स्पो तथा विंगस इंडिया 2024 के उदघाटन के समय " अमृत काल मे भारत को दुनिया से जोड़ना "। थीम का अनावरण किया गया हे ।

3-पीपीपी , मोडल मे हवाई अड्डो की संख्या 2025 तक 25 हो जाने की उम्मीद हे ।

4-स्टार्ट –अप एयर लाइन अकासा एयर लाइन ने नागरिक उड्डयन मंत्राल्य से NOC ले कर अपना परिचालन शुरू कर दिया हे ।

5-सरकार ने पर्येटन और connectivity को बदावा देने के लिए असम मे 2 जल हवाई अड्डो तथा अंडमार और निकोबार मे 4 जल हवाई अड्डो को बनाने की योजना बनाई हे।

6-सरकार रीजनल connectivity को improve करने के लिए , हवाई अड्डो, हेलिपोर्ट्स , जल हवाई अड्डो,और उन्नत लैंडिंग ग्राउंड सहित 50 ऐरक्राफ्ट लैंडिंग प्लेस को improve करने के योजना पर काम कर रही हे ।

7-पीएम-गति शक्ति vision के तहत, एमपी,,छतीसगढ़,यूपी ,राजस्थान तथा महाराष्ट्र मे 16 नए हवाई अड्डो के बनाने की भी योजना हे ।

8- नागरिक उड्डयन मंत्राल्य ने ड्रोन और ड्रोन घटको के लिए PLI योजना स्टार्ट की हे ।

9-डीजीसीए ने एयर इंडिया लिमिटेड को 470 और इंडिगो को 500 ऐरक्राफ्ट ,इम्पोर्ट करने की अनुमति दे दी हे ।

10-वर्तमान मे भारत मे 11 ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट चालू हे तथा सरकार इनको बदाकर देश भर मे 21 करने की योजना पर काम कर रही हे ।

11-सरकार ने CPL (कमर्शियल पायलट licence) के लिए भारत के 5 हवाई अड्डो पर New Flying Academy, स्टार्ट करने की योजना बनाई हे ।

12- सरकार देश भर मे 14 जल हवाई अड्डो को स्टार्ट करने की योजना पर भी काम कर रही हे ।

अंत मे यही कहा जा सकता हे की भारत का विमानन उद्योग अभी भी विकास के विशाल अवसरो से अछूता हे । इनही सब संभावनाओ को ध्यान मे रखते हुए ,इस एविएशन फील्ड मे कैरियर बनाने की अपार समभावनाए हे । फ्युचर मे पायलट ,मैंटेनेंस इंजीनियर ,तकनिकीयन, एयरपोर्ट मैनेजर ,एटीसी कंट्रोलर ,ग्राउंड हंडलेर आदि के लिए कुशल लोगो की बहुत ही जरूरत होगी ।

जॉब के अवसर

1-एयरलाइन्स 2-एमआरओ 3-फ्लाइंग स्कूल 4-कार्गो 5-इन्सतृक्टर 6-ग्लाइड सेंटर 7-ISRO 8-डीजीसीए 9-एटीसी 10-एयरपोर्ट Etc.

इसलिए एविएशन फील्ड मे कैरियर बनाने के लिए आप पवन हंस लिमिटेड (भारत सरकार का उपकरम) के द्वारा संचालित , **Pawan Hans Helicopter Training Institute** मे Admission ले कर अपने सपनों को साकार कर सकते हे ।

Details are Following

1-Course Name-BSc (ऐरोनौटिक्स) with Aircraft Maintenance Engineering (AME)
2-Duration-3 Years (6 Semester)
3-Eligibility- 12th Pass with Physics, Chemistry & Mathematics OR Diploma in (Electrical, Electronics, Mechanical ,Aeronautical) OR Higher Education
4-Mode- Regular
5-Category-B1.3
6-Fees- Around 5 Lac

For More Information,

Please Visit, www.pawanhans.co.in **OR** Email Us- phti@pawanhans.co.in
Contact-022-26261754 Mob:9004124778

Address:

Pawan Hans Ltd
Pawan Hans Helicopter Training Institute (PHTI)
S.V.Road, Juhu Airport , Vile Parle (W),
Mumbai-400056

SHASHIKANT PRAJAPATI
DY. TRAINING MANAGER
PHTI, MUMBAI.

विचार प्रवाह

"जब तक हम किसी भी काम को करने की कोशिश नहीं
करते हैं, तब तक हमें वो काम नामुमकिन ही लगता है।"

"प्रेम एक ऐसा अनुभव है जो मनुष्य को हारने
नहीं देता, और घृणा एक ऐसा अनुभव है
जो इंसान को कभी जीतने नहीं देता।"

"जिस दिन आप बुरे विचारों के ऊपर अच्छे विचार रख देंगे,
जिन्दगी खुदबखुद और बेहतरीन हो जाएगा।"

"जिन्दगी हमें हमेशा एक नया पाठ पढ़ाती है,
लेकिन
हमें समझाने के लिए नहीं बल्कि हमारी सोच बदलने के लिए"

"समय धन से अधिक मूल्यवान है, इससे अधिक धन तो
आप पा सकते हैं, लेकिन अधिक समय आप नहीं पा सकते"

"अपनी ऊर्जा की अधिक चिंता करने से बेहतर
है, इसका उपयोग समाधान ढूंढने में किया

"बीता हुआ कल बदला नहीं जा सकता,
लेकिन आने वाला कल हमेशा आपके हाथ में होता है"

“हिन्दी हमारी शान है
देश की पहचान है”

Bell 407 (1+5)

LM Sikorsky
S76 D (2+12)

Dauphin AS365
N/N3 (2+11)

AH125/ AS350 B3
(2+4 or 1+6)

Mi172 (2+26)

Bell 206 L4 (1+ 5)

पवन हंस लिमिटेड **PAWAN HANS LIMITED**

प्रधान कार्यालय
सी-14, **सेक्टर**-1,
नोएडा (यूपी)

उत्तरी क्षेत्र
रोहिणी हेलीपोर्ट,
सेक्टर-36, **रोहिणी**, **नई दिल्ली** 110085

पश्चिमी क्षेत्र,
जुहू हवाई अड्डा, एस.वी. रोड,
विले पार्ले (पश्चिम) **मुंबई** - 400056

इस ई-पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार संबंधित लेखकों के हैं। मौलिकता एवं अन्य किसी विवाद के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी होंगे। संपादक मंडल / पवन हंस लिमिटेड से इसकी सहमति होना आवश्यक नही हैं।

संपादकीय पता : **पवन हंस लिमिटेड**, **प्रधान कार्यालय**, **सी**-14, **सैक्टर**-1, **नोएडा**-201301 (**उत्तर प्रदेश**),
दूरभाष संख्या 0120-2476740, **ई-मेल**: rajbhasha.ol@pawanhans.co.in

Pawan-Hans-Ltd @PawanHansLtd

www.pawanhans.co.in